RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:219। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 31 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

बैंक लॉकर में रखे पूरे सामान की वैल्यू पर क्यों नहीं मिल सकता मुआवजा

वित्त मंत्री ने संसद में दिया जबाव

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर बैंक वार्षिक फीस का 100 गुना का मुआवजा लॉकर धारक को दे सकता है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंक लॉकर में रखे गए पूरे सामान की वैल्यू पर मुआवजा मिलने को लेकर पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कहा कि यह लिमिट इस वजह से निर्धारित की गई है, क्योंकि बैंक को नहीं पता होता है कि ग्राहक द्वारा बैंक लॉकर में क्या-क्या सामान रखा गया है और बैंक द्वारा किसी भी ग्राहक से लॉकर में रखी चीजों की जानकारी मांगना बैंकिंग गोपनीयता नियमों के खिलाफ है। आगे वित्त मंत्री ने कहा कि वस्तु-वार मूल्यांकन या बीमा संभव न होने के कारण, बैंक लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर भरपाई के लिए एक मानकीकृत क्षतिपूर्ति ढांचा लागू किया जाता है। अलग-अलग कवरेज की मांग करने पर सामान की जानकारी

● वहीं, बैंक लॉकर में कैश, हथियार, ड्रग्स, एक्सप्लोसिव, जल्द खराब होने वाली और रेडियोएक्टिव वस्तुएं और खतरनाक मानी जाने वाली वस्तुएं रखना अवैध है।

सार्वजनिक करनी होगी, जिसकी अनुमति बैंकिंग नियमों में नहीं है। बैंक लॉकर नियमों के मुताबिक, अगर लॉकर में रखा सामान बैंक की अनदेखी, कर्मचारी की धोखाधड़ी, आग, चोरी, डकैती, सेंधमारी और लूटपाट जैसी घटाने के कारण गायब हो जाता है तो बैंक को लॉकर धारक को मुआवजा देना है, जो कि लॉकर के लिए बैंक द्वारा ली जा रही वार्षिक फीस का 100 गुना होगा। उदाहरण के लिए अगर बैंक लॉकर के लिए 5,000 रुपए प्रति वर्ष चार्ज कर रहा है, तो लॉकर में उपरोक्त कारणों से नुकसान होने पर उसे ग्राहक को 5,00,000 रुपए का मुआवजा देना होगा। बैंक लॉकर में ज्वेलरी, लोन दस्तावेज, प्रॉपर्टी दस्तावेज, जन्म-शादी से जुड़े प्रमाणपत्र, इंश्योरेंस पॉलिसी, सेविंग्स बॉन्ड्स और अन्य गोपनीय दस्तावेज रखना वैध है।

संसद में बोलीं वित्त मंत्री- कानून के दुरुपयोग पर जुर्माना लगेगा, दिवालियेपन के आवेदन पर 14 दिन में फैसला

केंद्र सरकार ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (IBC) में बड़े बदलावों का प्रस्ताव रखते हुए स्पष्ट किया है कि प्रक्रिया में देरी की मुख्य वजह अत्यधिक मुकदमेबाजी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि प्रस्तावित संशोधनों के जरिए इस दुरुपयोग पर लगाम लगाने के लिए दंडात्मक प्रावधान लाए जा रहे हैं।

इन्सॉल्वेंसी आवेदन को 14 दिनों के भीतर करना होगा स्वीकार

वित्त मंत्री ने बताया कि नए बिल के तहत, किसी कंपनी में डिफॉल्ट स्थापित होने के बाद इन्सॉल्वेंसी आवेदन को 14 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से स्वीकार करना होगा। इससे मामलों के निपटान में तेजी आएगी और लंबित मामलों का बोझ कम होगा।

आईबीसी प्रक्रिया श्रमिकों के हित में

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आईबीसी प्रक्रिया में श्रमिकों के हित सुरक्षित हैं और उनके बकाया भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है। सरकार का कहना है कि संशोधन इस सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

'पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर हम सब एकजुट रहें'

● भाजपा ने फैलाई गलतफहमी : प्रियंका गांधी वाड्रा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर चिंता जताई है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमें एक रहना चाहिए लेकिन भाजपा के लोग देश में गलतफहमी फैला रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर केंद्र सरकार से स्पष्ट रणनीति पेश करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में लोगों की जान खतरे में है,

क्योंकि लगातार बमबारी हो रही है। ऐसे में सरकार को यह बताना चाहिए कि प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए क्या योजना बनाई गई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि युद्ध जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करना उचित नहीं है। इस मामले में पूरा देश एकजुट है और सभी की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि एकजुटता का मतलब यह नहीं है कि समस्याओं पर सवाल न उठाए जाएं। संसद में इस विषय पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए, ताकि सभी दल मिलकर समाधान खोज सकें।

प्रधानमंत्री का गुजरात दौरा आज

● सेमीकंडक्टर प्लांट समेत 20 हजार करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च 2026 को अपने गृह राज्य गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे आध्यात्मिक, औद्योगिक और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री एक सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन करेंगे और 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे की शुरुआत सुबह 10 बजे गांधीनगर स्थित कोबा तीर्थ से होगी, जहां वे महावीर जयंती के अवसर पर 'सम्राट संप्रति संग्रहालय' का उद्घाटन करेंगे। यह संग्रहालय जैन धर्म के महान संरक्षक सम्राट संप्रति को समर्पित है। सात दीर्घाओं में फैले इस संग्रहालय में 2,000 से अधिक दुर्लभ कलाकृतियां, प्राचीन पांडुलिपियां और पत्थर व धातु की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से यह संग्रहालय जैन धर्म की विकास यात्रा को प्रस्तुत करेगा।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज को कोर्ट से राहत

● सोशल मीडिया से वीडियो हटाए जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली । बॉलीवुड सेलेब्स के बाद अब मशहूर कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने पर्सनलिटी राइट्स को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए शिकायत में शामिल सभी वीडियो/लिंक्स को यूट्यूब से हटाने का आदेश दिया है। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का पक्ष पेश करने वाले वकील ने बताया कि इंटरनेट और सोशल मीडिया पर उनके नाम और वीडियो का गलत इस्तेमाल हो रहा है। कुछ जगहों पर उनके वीडियो या एआई से बने कंटेंट को इस तरह दिखाया जा रहा है जैसे वह खुद बोल रहे हों। अनिरुद्धाचार्य के वकील ने दलील दी कि सोशल मीडिया जो

सर्कुलेट हो रहा है, उसके चलते लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेंगे। गूगल की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जहाँ तक यूट्यूब का सवाल है, अगर कोई वीडियो या कंटेंट एआई-जनरेटेड या गलत तरीके से बनाया गया है, तो उसे हटाया जा सकता है। गूगल ने कहा कि जिन लिंक की शिकायत अनिरुद्धाचार्य की ओर गई है, उनमें से कुछ फैन पेज के वीडियो भी हैं। इन वीडियो में अनिरुद्धाचार्य के कुछ पुराने बयान दिखाए गए हैं, जिनमें महिलाओं या विज्ञान से जुड़ी टिप्पणियों पर लोग आलोचना या सवाल उठा रहे हैं। हालांकि इसके साथ ही कथावाचक को राहत देते हुए कोर्ट ने सामाग्री को हटाने का आदेश दे दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि इस मामले के लिए वृंदावन का होने के बावजूद दिल्ली हाईकोर्ट का रुख क्यों किया, क्यों सभी को दिल्ली से इतना प्यार है। हाईकोर्ट की तरफ से कहा गया कि देश में और भी अदालतें हैं। अगर वो आदेश पास करेंगी तो क्या गूगल उसे नहीं मानेगा। कलकत्ता से लेकर इलाहाबाद और लखनऊ की अदालतें क्या इसमें आदेश पास नहीं कर सकतीं। दिल्ली से आपको इतना प्रेम क्यों है।

ठाणे का समानांतर शासनः सरकारी इमारत में जुआ, नशा और देशविरोधी फंडिंग का महाजाल!

राजा ठाकुर, किरण पुजारी और भूरिया-रफ़ा गैंग का सिंडिकेट; क्या सत्ता के रसूख तले दबी है ठाणे पुलिस ?

महानगर मेट्रो

ठाणे, (पवन माकन)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र ठाणे में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए एक ऐसे संगठित अपराध सिंडिकेट का पदार्फाश हुआ है, जिसके तार न केवल अपराध बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बन चुके हैं। 'महानगर मेट्रो' की विशेष पड़ताल में सामने आया है कि वर्तक नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर जिला उद्योग केंद्र जैसी सरकारी इमारत अब अपराधियों का 'सेफ हाउस' बन चुकी है।

अपराधियों का 'महागठबंधन': राजा ठाकुर से लेकर भूरिया तक

हमारी जांच के अनुसार, इलाके में जुआ, सट्टेबाजी और नशे का यह साम्राज्य कोई छिटपुट घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित गिरोह द्वारा संचालित है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, इस गैंग में राजा ठाकुर, किरण पुजारी, जीतू जलगांव, नितिन लांडे, शेखर वडाला और मंगेश भोसले जैसे नाम शामिल हैं।

इस सिंडिकेट का सबसे खतरनाक पहलू इसका 'गुजरात कनेक्शन' है। राजकोट से मौली और रफा घोड़ी तथा वलसाड से भूरिया जैसे कुख्यात नाम इस जुए के अड्डे और कॉल सेंटर के पीछे के असली खिलाड़ी बताए जा रहे हैं।

सत्ता की धौंस और पुलिस का 'मौन समर्थन'

सूत्रों का दावा है कि इस गिरोह को राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नाम का कथित समर्थन प्राप्त है, जिसका इस्तेमाल ये अपराधी पुलिस और प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए करते हैं। आरोप है कि पी.आई. माने और उनका कैशियर इस अवैध कारोबार से मिलने वाले 'महीने की मलाई' के बदले इन्हें पूर्ण संरक्षण दे रहे हैं। ठाणे पुलिस कमिश्नर के कड़े आदेशों के बावजूद, इन ठिकानों पर कार्रवाई न होना 'सिस्टम की सेटिंग' की ओर इशारा करता है।

सनसनीखेज खुलासा: जुए के पैसे से 'लव जिहाद' की फंडिंग?

'महानगर मेट्रो' को सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस सिंडिकेट का असली चेहरा और भी भयावह है। आरोप है कि भूरिया और रफा जैसे गुर्गे जुए और अवैध धंधों से कमाए गए करोड़ों रुपयों का एक बड़ा हिस्सा गुजरात और महा-राष्ट्र में 'लव जिहाद' जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संदिग्ध कट्टरपंथी संगठनों को फंड कर रहे हैं। यह केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि सीधे तौर पर देश की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचाने की साजिश है। अब सवाल यह उठता है कि महाराष्ट्र की हिंदूवादी सरकार और प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर मौन क्यों है? क्या इन अपराधियों के पास इतना रसूख है कि वे देशविरोधी फंडिंग के बावजूद खुलेआम घूम सकें?

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल:

सवाल 1: जिला उद्योग केंद्र जैसी सरकारी इमारत में जुआ और नशे का अड्डा किसके आदेश पर चल रहा है?

सवाल 2: क्या गृह विभाग उन पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करेगा जो इस सिंडिकेट के साथ मिलकर 'हफ्ता वसूली' में लिप्त हैं?

सवाल 3: क्या 'लव जिहाद' और कट्टरपंथी फंडिंग के इन गंभीर आरोपों की जाँच एनआईए या एटीएस जैसी एजेंसियां करेंगी?

सम्पादकीय टिप्पणी:

यह रिपोर्ट केवल एक सूचना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए अंतिम चेतावनी है। युवा पीढ़ी नशे और सट्टे में बर्बाद हो रही है और देश का पैसा देशविरोधी ताकतों के पास जा रहा है। अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो 'महानगर मेट्रो' इस लड़ाई को और भी उग्र रूप से जनता के बीच ले जाएगा।

विपक्ष को न बहस में रुचि है, न ही लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति सम्मानः जेपी नड्डा

● विपक्षी सांसदों ने लगातार व्यवधान उत्पन्न किया : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली । राज्यसभा में सोमवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नेता सदन जेपी नड्डा ने कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाले इंडिया अलायंस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष को न तो बहस में रुचि है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति कोई सम्मान है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का आचरण यह दर्शाता है कि उन्हें संविधान और संसद की कार्यवाही के नियमों का भी आदर नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब एक सदस्य को शून्यकाल में बोलने का समय दिया गया, तब विपक्षी सांसदों ने लगातार व्यवधान उत्पन्न किया। दरअसल इससे पहले शून्य काल के

दौरान भाजपा सांसद डॉ के लक्ष्मण ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी से मुस्लिम समुदाय को बाहर किए जाने का मुद्दा उठाया था। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा था कि ओबीसी आरक्षण का लाभ केवल सामाजिक रूप से पिछड़े

● नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसी भी मुद्दे पर खुलकर चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से भी सकारात्मक भागीदारी की अपील की।

वर्गों को मिलना चाहिए और इसे धर्म के आधार पर नहीं दिया जाना चाहिए। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष के नेता इस विषय पर अपनी बात रखना चाहते थे। लेकिन नियम के मुताबिक ऐसा नहीं हो सका। ऐसे में विपक्ष ने सदन से वॉक आउट किया। वहीं जेपी नड्डा ने कहा कि यह विपक्ष का यह व्यवहार इस बात का संकेत है कि विपक्ष को लोकतांत्रिक और संसदीय प्रक्रियाओं में विश्वास नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष बहस से बचने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दल वर्षों से वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीति अपनाते रहे हैं, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय के संदर्भ में।

केरल चुनाव से पहले राहुल गांधी ने जनता से किए कई वादे

● वाम दलों-भाजपा पर गुप्त समझौता करने का आरोप

एजेंसी

अदूर । राहुल गांधी ने सोमवार को केरल में विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों से पहले मतदाताओं से कई कल्याणकारी वादे किए। उन्होंने सत्तारूढ़ वामपंथी दलों और भाजपा के बीच 'गुप्त मिलीभगत' का आरोप लगाया। अदूर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने चुनावी लड़ाई को यूडीएफ और वाम-भाजपा के अप्रत्यक्ष गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला बताया। उन्होंने कहा, 'एक तरफ यूडीएफ है और दूसरी तरफ वाम और भाजपा का गठबंधन है।' उन्होंने 'छिपे हुए हाथ' का हवाला देते हुए तर्क दिया कि भाजपा वाम को राष्ट्रीय स्तर पर एक वास्तविक चुनौती के रूप में नहीं देखती है। राहुल गांधी ने दावा किया

कि भाजपा का वास्तविक रूप से विरोध करने वाले नेताओं को दबाव और जांच का सामना करना पड़ता है। अपने खिलाफ मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और वामपंथी नेतृत्व को इस तरह की गहन जांच का सामना नहीं करना पड़ता है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर केरल के विवादास्पद मुद्दे सबरीमाला पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया ताकि सीपीआई (एम) को राजनीतिक रूप से नुकसान न पहुंचे।

● प्रधानमंत्री का असम के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद, कहा-

विकास और घुसपैठ प्रमुख चुनावी मुद्दे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम के भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं से नमो ऐप के माध्यम से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा-एनडीए की हैट्रिक जीत के लिए कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने की अपील की। उन्होंने विपक्षी दलों पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा असम की अस्मिता, सुरक्षा और संस्कृति से सीधे जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को नमो ऐप के जरिए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी दायित्व सौंपती है, उसे निभाने के लिए वे पूरी ताकत लगाते हैं। असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक लगे, इसके लिए राज्य के पार्टी कार्यकर्ता जबरदस्त मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बोहाग बिहू और अन्य त्योहारों की तैयारियों के बीच चुनावी अभियान चलाने वाले कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम ने लंबे समय तक अस्थिरता, हिंसा और उग्रवाद का दौर देखा था, लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार ने शांति, विकास और सुरक्षा का नया दौर शुरू किया है। पिछले 10 वर्षों में 12 बड़े शांति समझौते हुए हैं जो असम की नई तस्वीर बनाते हैं। संवाद के दौरान विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। सुनितपुर जिले के पंकज हजारी ने कहा कि साल 2016 से पहले असम में अराजकता और उग्रवाद चरम पर था, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद किसानों, व्यवसायियों और शिक्षकों के जीवन में अमूल्य परिवर्तन आया है। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 18-22 साल के युवा मतदाता केवल पिछले 10 साल की शांति को जानते हैं, इसलिए बूथ कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि उन्हें पुराने दिनों की हिंसा और कांग्रेस की नीतियों की याद दिलाएं। भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर भजन संध्या, विरासत उत्सव और योजनाओं पर चर्चा के कार्यक्रम आयोजित करें ताकि नई पीढ़ी पुरानी गलतियों को दोहराने से बचे। तामलपुर जिले के धनेश्वर ने बोडोलैंड समझौते के बाद आए बदलाव को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्यकर्ता होने के साथ साथ वे व्यवसायी भी हैं। और राज्य के लोगों को पुरानी सरकार की कुरीतियों के बारे में बताते भी हैं।

● प्रधानमंत्री ने नमो ऐप के जरिए 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की।

● 'बोडोलैंड आज पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बन गया है, जहां पहले कर्फ्यू और धमाके होते थे, आज शांति और सांस्कृतिक धुनें गूंज रही हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक छोड़कर कलम थामने वाले पूर्व उग्रवादियों और उनकी माताओं के अनुभव साझा करने के कार्यक्रम बूथ स्तर पर आयोजित करें।'

टीएमसी और भाजपा आमने-सामने

सीएम ममता बनर्जी का तीखा प्रहार, कहा-

'चुनाव खत्म होते ही गैस-कैश देना बंद कर देगी भाजपा'

एजेंसी

बेलदा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेलदा में एक बड़ी चुनावी रैली की। इस रैली में उन्होंने भाजपा की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने जनता को चेतावनी देते हुए कहा, भाजपा चुनाव खत्म होते ही गैस और कैश देना बंद कर देगी। उन्होंने इसे भाजपा की एक सोची-समझी चाल और चुनावी खेल करार दिया।ममता बनर्जी ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के विभिन्न वर्गों के

बीच नफरत और झगड़े पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, भाजपा इस तनावपूर्ण स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा के बहकावे में न आएं। ममता बनर्जी ने साफ किया कि भाजपा केवल सत्ता के लिए लोगों को आपस में लड़ाने का काम कर रही है और चुनाव के बाद वह अपने वादों से मुकर जाएगी।

'ममता बनर्जी लोगों को धमकी दे रहीं, टीएमसी ने हाईजैक किया चुनाव'

● भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को चुनाव आयोग पहुंचा। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत की है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सुकांत मजूमदार और पीयूष गोयल ने अन्य नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात की और याचिका सौंपी।

'लोगों को धमका रहीं ममता बनर्जी'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हमारी एक-एक बात चुनाव आयोग ने सुनीं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री खुद घर तक जाकर धमकी दे रही हैं। उनकी पूरी टीम ने किस तरह पूरे चुनाव को हाईजैक किया है, हमने ये चिंता व्यक्त की है।' उन्होंने बताया, 'भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से अपील की है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। पिछले तीन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने दादागिरी करके जीत हासिल की। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि चुनाव लोगों को अपनी मर्जी से मतदान करने का एक अवसर होता है। लोकतंत्र में वोट एक मतदाता का अधिकार होता है, उसे कोई नहीं छीन सकता है। चुनाव आयोग को मतदाता के वोट को सुरक्षित करना चाहिए।'

आदिवासी इलाकों में विकास को गतिः सीएम ने 362 करोड़ के 293 कामों को मंज़ूरी दी

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के आदिवासी इलाकों के पूरे विकास के लिए एक अहम और दूर की सोचने वाला फैसला लिया है। अंबाजी से उमरगाम तक फैले आदिवासी इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं को और मजबूत करने के मकसद से कुल ₹362.57 करोड़ के 293 विकास कामों को मंजूरी दी गई है।

पक्की सड़कों से लोगों की परेशानियां कम होंगी

इस फैसले के तहत, गांवों में स्कूलों और प्राइमरी हेल्थ सेंटरों को पक्की सड़कों से जोड़ने के लिए 325.81 ' लंबी सड़कों के निर्माण के साथ-साथ कई स्ट्रक्चरल काम किए जाएंगे। ये सभी काम वनबंधु कल्याण योजना के तहत किए जाएंगे।

स्टूडेंट्स का स्कूल पहुंचना होगा आसान

इन प्रोजेक्ट्स के लागू होने से आदिवासी इलाकों में रहने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। खासकर स्टूडेंट्स के लिए स्कूल पहुंचना आसान होगा, जबकि हेल्थ सर्विसेज के लिए इमरजेंसी में सबसे पास के प्राइमरी हेल्थ सेंटर तक जल्दी पहुंचने में मदद मिलेगी।

आदिवासी इलाकों में विकास के नए दरवाजे खुलेंगे

सरकार के इस फैसले से आदिवासी इलाकों में विकास के नए दरवाजे खुलेंगे और बेसिक सुविधाएं और आसानी से मिल जाएंगी। सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को पूरा करने वाली इस पहल को राज्य के विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

रिक्शा चालक से लड़ाई हिंसक हो गईः बस ड्राइवर को पीटा गया, बस में तोड़फोड़ की गई

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर में अब पब्लिक सड़कों पर लड़ाई और तोड़फोड़ आम बात हो गई है। लोग खुलेआम लड़ते हैं जैसे उन्हें पुलिस का डर ही न हो। शहर के भूलाभाई पार्क चौराहे के पास, आस-पास के इलाके के लोग इकट्ठा हो गए और यात्रियों से भरी बस पर पत्थर फेंके और तोड़फोड़ की।

बस ड्राइवर ने रिक्शा चालक को इसलिए रोका था क्योंकि वह धीरे रिक्शा चला रहा था और बाद में उसने रिक्शा रोक दिया, जिससे लड़ाई हो गई। आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए और ड्राइवर को पीटना शुरू कर दिया। ड्राइवर वहां से भाग गया और लोगों ने बस की खिड़की तोड़ दी। कागड़ापीठ पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिक्शा धीरे चलाते हुए ड्राइवर ने हॉर्न बजाया

जहरुद्दीन शेख अपने परिवार के साथ वटवा इलाके की कुतुब आलम कॉलोनी में रहते हैं और बसों में कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर ड्राइवर का काम करते हैं। वह अभी विनोबा भावेनगर से इस्कॉन क्रॉस रोड तक रूट नंबर 40/1 पर बस ड्राइवर का काम करते हैं। 29 मार्च को वह सुबह 9 बजे बस कंडक्टर युवराज के साथ बस रूट पर निकले। रात करीब 9.40 बजे वह आखिरी चक्कर में मणिनगर टर्मिनल के लिए निकले। रात 10 बजे जब वह भूलाभाई क्रॉस रोड पर पहुंचे तो उनके आगे एक रिक्शा जा रहा था। ड्राइवर रिक्शा धीरे चला रहा था, इसलिए बस ड्राइवर ने हॉर्न बजाया।

लोगों ने बस में तोड़फोड़ की, पुलिस पहुंची तो भाग गए

फिर ड्राइवर ने किसी वजह से रिक्शा रोक दिया, जिससे आम हाथापाई हो गई। आसपास के लोग जमा हो गए, जिसमें कुछ लोगों ने बस ड्राइवर को पीटना शुरू कर दिया, तो वह वहां से भाग गया। इसी बीच, कुछ लोगों ने पत्थर और प्लास्टिक के क्रिकेट बैट लेकर बस के अगले विंडशील्ड ग्लास और बाईं तरफ के विंडो ग्लास पर मारे, जिससे ग्लास टूट गया। पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल करने के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो तोड़फोड़ करने वाले वहां से भाग चुके थे। पुलिस ने बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

➤ समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।

➤ अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।

➤ समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो

पत्रव्यवहार

सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

मो.: 9638877700,9662420070

mahanagarmetro7@gmail.com

बोडकदेव का ब्लैक बॉक्सः वर्दी की आड़ में जय-पाल का हफ्ता राज या कानून का जनाजा ?

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। शहर का सबसे पॉश इलाका बोडकदेव, जो अपनी रईसी और शांति के लिए जाना जाता था, आज अपराध और अनैतिकता का 'हॉटस्पॉट' बन चुका है। पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे चल रहे इस काले साम्राज्य का सबसे खौफनाक पहलू यह है कि यहाँ कानून रक्षक ही भक्षक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। चर्चा है कि इस पूरे सिंडिकेट का असली 'रिमोट कंट्रोल' पुलिस का तथाकथित वहीवतदार (कलेक्शन एजेंट) जयपाल है।

एक्यम स्पाः 'रिलैक्सेशन' के नाम पर 'जिस्मफरोशी' का सुपरमार्केट

पुलिस थाने से महज चंद कदमों की दूरी पर स्थित 'एक्यम स्पा' आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। सूत्रों की मानें तो यहाँ थाईलैंड और अन्य विदेशी

युवतियों के जरिए मयार्दा की नीलामी की जा रही है।

* **वीजा या वसूलीः** क्या इन विदेशी युवतियों के पास वैध वर्क वीजा है? या फिर जयपाल की 'मंथली' ने पासपोर्ट के पन्नों को दबा दिया है?

* **अंधी पुलिसः** स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की गाड़ियाँ यहाँ से गुजरती तो हैं, लेकिन स्पा के 'कलेक्शन' के आगे उनकी बत्तियाँ गुल हो जाती हैं।

क्रिकेट सट्टा और कॉल सेंटर का 'सेफ हेवन'

बोडकदेव अब सिर्फ स्पा तक सीमित नहीं रहा। यह इलाका अब बड़े-बड़े क्रिकेट बुकियों और अवैध कॉल सेंटर्स का हेडक्वार्टर बन चुका है।

> "सूत्रों का दावा है कि करोड़ों का सट्टा और फर्जी कॉल सेंटर यहाँ से निर्बाध रूप से संचालित हो रहे हैं क्योंकि उन्हें जयपाल का 'अभयदान' प्राप्त है।"

हैरानी की बात यह है कि जहाँ डीसीपी, पीसीबी और क्राइम ब्रांच जैसी एजेंसियां सक्रिय होने का दावा करती हैं, वहीं बोडकदेव में उनका 'मुखबधिर' (मूक-बधिर) बने रहना कई सवाल खड़े करता है। क्या जयपाल का रसूख इन जांच एजेंसियों से भी बड़ा हो गया है?

वहीवतदार जयपालः सिस्टम का समानांतर 'सुल्तान'?

जयपाल का नाम आज बोडकदेव की गलियों में खौफ और भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका है। आरोप है कि वह पुलिस और अपराधियों के बीच की वह कड़ी है जो 'खाकी' की गरिमा को 'खोखे' (करोड़ों रुपये) में तौल रहा है।

* **पीआई की खामोशीः** स्थानीय पुलिस अधिकारी इस मामले में कार्रवाई करने के बजाय 'तमाशा' देख रहे हैं।

* **करोड़ों का खेलः** सट्टा बाजार से आने वाले लाखों के हफ्ते ने सिस्टम को पंगु बना दिया है।

जनता का सवालः कमिश्नर साहब, कब तक चलेगा यह तमाशा?

बोडकदेव के संभ्रांत निवासी अब सड़कों पर उतरने की तैयारी में हैं। उनका सीधा सवाल अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर से हैः

* क्या एक 'वहीवतदार' पूरी खाकी की साख पर भारी पड़ेगा?

* क्या 'जयपाल' के अवैध कलेक्शन तंत्र को उखाड़ फेंका जाएगा?

* क्या पॉश इलाकों की शांति को इन बुकियों और स्पा संचालकों के हाथों गिरवी रख दिया गया है?

वर्दी पर लगा यह दाग अब गहरा होता जा रहा है।

अगर समय रहते इस 'हफ्ता राज' पर लगाम नहीं कसी गई, तो जनता का पुलिस पर से विश्वास उठना तय है। अब देखना यह है कि प्रशासन 'जयपाल' जैसे बिचौलियों पर हथौड़ा चलाता है या फिर यह 'अनैतिकता का बाजार' यूँ ही सजता रहेगा।

इंसानियत शर्मसारः कबूतर और बिल्लियों को मारकर पका रहा युवक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। शहर के सेक्टर-16 इलाके में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। पता चला है कि इस शहर में कुछ लोग दाना खिलाकर पुण्य कमाते हुए जंगली जानवरों और पक्षियों को पकड़कर बेरहमी से मार रहे हैं और मुनाफे के लिए उनका मीट पका रहे हैं। इंसानियत पसंद इंसानों की सतर्कता से इस पाप का पदार्फाश हुआ है। सेक्टर 21 पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, 'श्रीराम चैरिटेबल ट्रस्ट' नाम का एनजीओ चलाने वाले इंसानियत पसंद इंसान विजय कुमार शर्मा को पिछले कुछ दिनों से सेक्टर-16 में पक्षियों के शिकार की शिकायतें मिल रही थीं।

जानकारी यह थी कि सेक्टर-16 की एक छत पर रहने वाला राजू इंद्रभाई परमार नाम का व्यक्ति और उसके साथी अक्सर बेजुबान पक्षियों, खासकर कबूतरों और कठफोड़वों को पकड़कर मारते हैं और फिर उनका मीट पकाते हैं। इस जानकारी को वेरिफाई करने के लिए, विजयकुमार शर्मा और उनके साथी कल शाम सेक्टर-16 के रूफ एरिया में सरप्राइज इंस्पेक्शन के लिए पहुंचे। जांच के दौरान जो नजारा सामने आया, वह दिल दहला देने वाला था। वहां मौजूद दो लोग तवे पर कुछ पका रहे थे। जब जान बचाने वाले लोगों

ने पास जाकर देखा, तो पाया कि तवे में पक्षियों का मीट पकाया जा रहा था। इतना ही नहीं, उसके बगल में एक मरे हुए कबूतर के पंख और खून से सने अवशेष भी मिले।

पूछताछ में सही जवाब न देने पर पुलिस को सूचना दी गई

जब मौके पर मौजूद लोगों से पक्षियों के मीट और शिकार के बारे में पूछताछ की गई, तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और शोर मचाने लगे। मामले को गंभीर देखते हुए विजयकुमार ने तुरंत सेक्टर-21 पुलिस स्टेशन में फोन करके जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने ट्रस्ट के दूसरे पदाधिकारियों किरीट सिंह, मनहर सिंह सोलंकी और अश्विन पटेल को भी सूचना देकर मौके पर बुलाया। पुलिस ने मीट के बचे हुए हिस्से, पंख और दूसरी चीजें जब्त कीं।

बाद में, पुलिस की पीसीआर वैन तुरंत मौके पर पहुंची और शिकार किए गए पक्षियों के बचे हुए हिस्से, पंख और पके हुए मीट के पैन को जब्त कर लिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी राजू इंद्रभाई परमार और उसके साथियों को हिरासत में लिया है। वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट और जंगली जानवरों पर क्रूरता के मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

इस बारे में विजय कुमार ने कहा कि ये लोग पक्षियों का शिकार करते थे, उन्हें पकाकर खाते थे। जब हमने जांच की तो माली में कबूतर और बिल्ली के बचे हुए हिस्से मिले, जिसके बाद आरोपी सेक्टर 16 महिला पुलिस स्टेशन में जाकर छिप गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जो लोग न तो आपको छोड़ते हैं और न ही अपनाते हैं, वे 'इतिहास बनाते हैं'

महानगर मेट्रो

आपकी पहचान आपके हाथों में है, इंसानी रिश्ते भरोसे और साफगोई पर टिके होते हैं। लेकिन ज़िंदगी में कभी-कभी हमारा सामना ऐसे इंसान से होता है जो हमें दिमागी उलझन में डाल देता है। ऐसा इंसान न तो हमारा पूरा साथ देता है और न ही हमारा हाथ छोड़कर चला जाता है। ऐसी हालत में होना मीठे जहर की तरह है, जो धीरे-धीरे हमारी सेल्फ-एस्टीम को खत्म कर देता है। जब कोई हमें 'ऑप्शन' के तौर पर रखता है, तो यह समझना जरूरी है कि कैसे मजबूत रहें और अपनी पहचान कैसे बनाएं। "जो लोग न तो आपको छोड़ते हैं और न ही अपनाते हैं, वे इतिहास बनाते हैं" यह लाइन उन लोगों के लिए है जो 'इमोशनल पकड़' रखने में यकीन रखते हैं। वे आपको इसलिए नहीं छोड़ते कि जब उन्हें आपकी जरूरत होती है तो आप उनके साथ होते हैं, और इसलिए नहीं अपनाते कि वे आपकी वैल्यू नहीं करते। **ेंटल कैद**

ऐसा इंसान आपको उम्मीद की किरण दिखाकर अपने साथ रखता है। जब आप दूर जाने की सोचते हैं, तो वे प्यार दिखाते हैं, लेकिन जब स्टेबिलिटी की बात आती है, तो वे पीछे हट जाते हैं। इतिहास वही बनाते हैं जो कड़े फैसले लेने की हिम्मत रखते हैं। अगर कोई आपको उलझन में डाल रहा है, तो सबसे अच्छा तरीका है कि आप उसे अपने आज से हटाकर 'इतिहास' बना दें।

"खास बनो, ऑप्शन नहीं"

दुनिया में तुम्हारी वैल्यू उतनी ही होगी जितनी तुम तय करोगे। अगर तुम हमेशा किसी के लिए 'अवेलेबल' रहते हो, तो तुम सिर्फ.एक ऑप्शन ही रह जाओगे। खुद का मूल्यांकन करो। तुम किसी की वेटिंग लिस्ट में रहने के लिए पैदा नहीं हुए हो। तुम्हारी काबिलियत और वजूद यूनिक है। जब तुम खुद से प्यार करना शुरू कर देते हो, तो दुनिया तुम्हें एक ऑप्शन के तौर पर देखना बंद कर देती है। प्रायोरिटी तय करो। ऐसे रिश्ते में प्रायोरिटी बनने पर जोर देने के बजाय, जहाँ तुम्हें प्रायोरिटी नहीं मिल रही है, तुम्हें इज्जत के साथ छोड़ देना चाहिए। खास होने का मतलब है अपनी एक ऐसी दुनिया बनाना जहाँ लोग तुम्हारी गैरमौजूदगी पर ध्यान दें। दूसरा इंसान ऐसा क्यों करता है? (साइकोलॉजिकल पहलू) हम अक्सर सोचते हैं कि कोई ऐसा क्यों करता है? इसके मुख्य कारण हैंः सेफ्टी नेट। उन्हें डर होता है कि अगर वे तुम्हें पूरी तरह से छोड़ देंगे, तो वे अकेले रह जाएँगे। इसीलिए वे तुम्हें 'बैकअप' के तौर पर रखते हैं। कंट्रोल। किसी के इमोशंस को कंट्रोल करना कुछ लोगों के लिए अपने ईगो को सैटिस्फाई करने का एक तरीका है। इस चक्कर से निकलने का तरीका यह है कि यह उम्मीद छोड़ दें कि जो इंसान अब तक आपके साथ नहीं रहा, वह भविष्य में भी आपके साथ नहीं रहेगा। अपना एंगेजमेंट बढ़ाएं। जब आप अपने गोल्स और करियर पर फोकस करते हैं, तो आपकी प्रोग्रेस ही दूसरे इंसान के लिए सबसे बड़ा जवाब बन जाती है। बार-बार शिकायत करने से ज्यादा 'चुप्पी' अपनाना ज्यादा असरदार है। जैसे कोई इंसान रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते हुए खड़ा हो, अगर ट्रेन ट्रैक पर आने के बजाय सिर्फ.दूर से सिग्नल दे, तो पैसेंजर कभी डेस्टिनेशन तक नहीं पहुँचता। आपको तय करना होगा कि स्टेशन पर बैठना है या अपना नया सफर शुरू करना है। "ऐसे रिश्ते में जहाँ आपको बार-बार अपनी मौजूदगी साबित करनी पड़ती है, सबसे अच्छा फैसला इज्जत से छोड़ देना है।" किसी ऐसे इंसान पर समय बर्बाद करना जो आपको सिर्फ. 'बैकअप' समझता है, अपने साथ नाइंसाफी है। जो लोग आपको अपना नहीं सकते, उन्हें प्यार से अलविदा कहें और इतिहास के पन्नों में खुद को दर्ज.करें। खुद को इतना मजबूत बनाएं कि आप किसी के 'ऑप्शन' नहीं, बल्कि किसी की 'चॉइस' बनें।

- दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट)

कर्मचारी ने 5.04 लाख रुपये की ज्वेलरी चुराई

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। शहर के कुडासन इलाके में एक जाने-माने ज्वेलरी शोरूम में आग लगने का मामला सामने आया है। शोरूम में सीनियर फैशन कंसल्टेंट के तौर पर काम करने वाले कर्मचारी ने धोखा देकर 5.04 लाख रुपये की सोने की ज्वेलरी और सिक्के चुरा लिए, इन्फोसिटी पुलिस स्टेशन में क्राइम दर्ज किया गया है, जिसका खुलासा ऑडिट के दौरान हुआ। अहमदाबाद के रहने वाले सुनील मोची कुडासन प्रमुख एवेन्यू कॉम्प्लेक्स में मौजूद जीवा सिल्वर एंड गोल्ड डायमंड ज्वेलरी (इंड. ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड ज्वेलरी) में सीनियर स्टोर मैनेजर के तौर पर काम करते हैं। 26 मार्च, 2026 को उन्होंने स्टॉक का ऑडिट किया। ऑडिट करते समय

शोरूम के कर्मचारी का बटुआ फट गया। इस ऑडिट के दौरान पता चला कि स्टोर से 18 और 24 कैरेट सोने की ज्वेलरी और सिक्के गायब थे। जांच करने पर यह साफ हो गया कि 18 फरवरी से 26 मार्च के बीच कुल 5,04,000 रुपये की प्रॉपर्टी चोरी हुई थी।

क्रिकेट को लेकर माता-पिता में झगड़ा

महिला पर हमला करने के लिए बाहर से आदमी बुलाने का आरोप

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। रविवार रात आनंदनगर इलाके में बच्चों के खेल जैसी छोटी सी बात पर माता-पिता के बीच झगड़ा हो गया। मामला तब बढ़ गया जब स्कार्लेट सोसाइटी में क्रिकेट खेल रहे बच्चों के बीच झगड़े में बड़े लोग कूद पड़े। इस घटना में गंभीर आरोप लगे हैं कि एक पक्ष ने बाहर से हथियारबंद लोगों को सोसाइटी में लड़ने और महिला से छेड़छाड़ करने के लिए बुलाया था। मिली जानकारी के मुताबिक, आनंदनगर इलाके की स्कार्लेट सोसाइटी में रात में क्रिकेट खेलते समय बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। सोसाइटी में रहने

वाले कुणाल शाह बच्चों को बचाने गए, इसी दौरान एक और व्यक्ति क्रुणालसिंह चुडासमा वहां आ गया। बच्चों को लेकर दोनों माता-पिता के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही हिंसक लड़ाई में बदल गई। पीड़ित कुणाल शाह के मुताबिक, दूसरी पार्टी ने बाहर से कुछ लोगों को बुलाया था। ये लोग नशे में और हथियारों के साथ सोसायटी में घुसे थे।

डेटा कंपनी में काम करने वाली महिला को कंपनी मैनेजर ने रविवार को कंपनी मीटिंग के बहाने ऑफिस बुलाया

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। जशोदानगर इलाके में एक डेटा कंपनी में काम करने वाली महिला को कंपनी मैनेजर ने रविवार को कंपनी मीटिंग के बहाने ऑफिस बुलाया। कंपनी मैनेजर ने महिला को बुलाया और ऑफिस का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और उसके कंधे पर हाथ रखकर उसे किस करने की कोशिश की। हालांकि, महिला डर गई और उसने कहा कि उसके पति ने उसे बुलाया है, यहां कोई आवाज नहीं आ रही है और वह बाहर बात करने के बहाने वहां से भाग गई और फिर अपने पति को बुलाकर ऑफिस चली गई। हालांकि, जब वहां कोई नहीं मिला, तो उसने पुलिस को बताया। पुलिस ने वटवा ऋ्क्रऊ पुलिस स्टेशन में मैनेजर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार करने की प्लानिंग कर रही है।

मैनेजर ने परिणीता को आने के लिए मजबूर किया

मिली जानकारी के मुताबिक, 24 साल की लड़की अपने परिवार के साथ रहती है और पिछले दो साल से जशोदानगर की एक कंपनी में काम कर रही है। शिवेंद्र प्रताप सिंह चौहान उसकी कंपनी का मैनेजर है। रविवार दोपहर को कंपनी के मैनेजर ने परिणीता को फोन करके बताया कि आज कंपनी की मीटिंग है, इसलिए तुम्हें जशोदानगर वाले ऑफि स में आना होगा। जिस पर परिणीता ने कहा कि मेरे घर का रेनोवेशन का काम चल रहा है, इसलिए मैं नहीं आ सकती।

मैनेजर ने कहा कि तुम्हें शाम 4-5 बजे तक आना होगा, तो परिणीता ने अपने पति को बताया और ऑफि स के लिए निकल गई। जैसे ही परिणीता अंदर गई, मैनेजर ने दरवाजा बंद कर लिया। जब परिणीता दोपहर करीब 3:00 बजे जशोदानगर वाले ऑफि स पहुँची, तो ऑफि स में मैनेजर सुरेंद्रनगर प्रताप सिंह मौजूद थे। ऑफि स में घुसते ही उन्होंने ऑफि स का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया, तो परिणीता ने पूछा, ऑफि स का बाकी स्टाफ कहाँ है और तुमने दरवाजा क्यों बंद किया है? कंपनी का मैनेजर वहीं बैठा था, वह वहाँ गया और

उसके कंधे पर हाथ रखकर उसे किस करने की कोशिश की और उसे छूने और छेड़छाड़ करने लगा। परिणीता यह कहकर भाग गई कि उसके पति का फोन है। परिणीता डर गई और दरवाजा खुला होने की बात कहकर दरवाजे की तरफ बढ़ी तो परिणीता ने अपने पति को फोन किया। फोन चालू देखकर मैनेजर पूछने लगा कि कौन बोल रहा है? तो परिणीता ने कहा, मेरे पति का फोन है, यहाँ कोई आवाज नहीं आ रही है, वह ऑफि स से निकलकर वहाँ से भाग गई। रास्ते में उसने अपने पति को फोन किया और ऑफि स पहुँची। हालाँकि, ऑफि स में कोई मौजूद नहीं था। बाद में 112 पर सूचना देकर पुलिस मौके पर पहुँची। इस तरह इस मामले में परिणीता ने मैनेजर शिवेंद्र प्रताप सिंह चौहान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने मामला दर्ज करके आगे की जाँच शुरू कर दी है।

अरुणोदय बनर्जी के निधन पर बॉलीवुड हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

महानगर मेट्रो

कोलकत्ता। बंगाली अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी के निधन की खबर से मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। ओडिशा के तलसारी समुद्र तट पर नौका विहार के दौरान एक दुखद दुर्घटना में वह समुद्र में गिर गए। उस समय कथित तौर पर वह वहां शूटिंग कर रहे थे। एक बचाव दल मौके पर पहुंचा और उसे पास के अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में उसके शव को एक नजदीकी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। 42 वर्षीय अभिनेता के आकस्मिक निधन पर उनके

सहयोगियों, प्रशंसकों और फिल्म उद्योग के कई प्रमुख लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। ओडिशा प्रशासन और संबंधित अधिकारियों ने आगे के प्रबंधन का काम शुरू कर दिया है। इस घटना ने एक बार फिर इलाके की सुरक्षा स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिनेता का असामयिक निधन बंगाली फिल्म उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति है। राहुल अरुणोदय बनर्जी एक भारतीय बंगाली फिल्म और टेलीविजन अभिनेता थे।

संक्षिप्त जीवनी:

जन्म 16 अक्टूबर 1983, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत

पेशा: अभिनेता

शिक्षा: कलकत्ता बॉयज स्कूल और बाद में सेंट जेवियर्स कॉलेज

करियर: राहुल ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत 2010 में फिल्म ''चिरोदिनी तुमि जे आमार' से की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें लोकप्रिय बना दिया। बाद में, उन्होंने कई फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में अभिनय किया।

उल्लेखनीय कृतियाँ: चिरोदिनी तुमि जे आमार (तुम हमेशा मेरी हो) / आमि शुधु चेयेछी तोमाय (मैं सिर्फ तुमको चाहा) / काठमांडू। इसके इलावा उन्होंने कई टेलीविजन धारावाहिकों में भी अभिनय किया है।

व्यक्तिगत जीवन: उन्होंने बंगाली अभिनेत्री प्रियंका सरकार से शादी की है। उनका एक बेटा है। संक्षेप में, राहुल अरुणोदय बनर्जी बंगाली मनोरंजन उद्योग में एक जाना-माना चेहरा हैं, जिन्होंने फिल्म और टेलीविजन दोनों में सफलता हासिल की है।

पश्चिम बंगाल में नई सियासी हलचल

वाम-कांग्रेस-आईएसएफ गठबंधन बन सकता है गेम चेंजर

महानगर मेट्रो

कोलकत्ता,(रफीक अनवर)। तीनों ताकतों-वाम मोर्चा, कांग्रेस और आईएसएफ का महागठबंधन पश्चिम बंगाल की चुनावी राजनीति में एक महत्वपूर्ण संभावना के रूप में उभरा है। हालांकि वर्तमान राजनीतिक वास्तविकता में मुख्य लड़ाई ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा तक सीमित है, तीसरी ताकतों के इस संभावित गठबंधन का चुनाव के परिणाम पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

गठबंधन की आवश्यकता और मतों के **विभाजन की राजनीति:**

वर्तमान स्थिति में अगर वाम मोर्चा, कांग्रेस और आईएसएफ अलग-अलग लड़ते हैं तो उनका वोट बैंक टूट जाता है। इस विभाजन का सबसे बड़ा लाभ भाजपा को मिला है। इस संदर्भ में, गठबंधन का मुख्य उद्देश्य 'तृणमूल विरोधी वोट' को मजबूत करना और मुकाबले को दो तरफा बनाना है। यानी, उनकी मुख्य रणनीति तीन तरफा लड़ाई को कम करने और टीएमसी और गठबंधन के बीच सीधी लड़ाई पैदा करने की हो सकती है।

मतों का वितरण संख्या से अधिक महत्वपूर्ण है:

संख्या के संदर्भ में, वाम मोर्चा, कांग्रेस और आईएसएफ का संयुक्त वोट शेयर लगभग 10-15 प्रतिशत है। अगर गठबंधन होता है तो यह 15-20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। लेकिन यह केवल वोट शेयर नहीं है जो मायने रखता है, यह है कि वोटों का वितरण कैसे किया जाता है। यदि यह गठबंधन अपने वोटों को ठीक से मजबूत कर सकता है, तो वे कई सीटों पर 'करीबी मुकाबला' पैदा करने में सक्षम होंगे।

संभावित बदलाव:

मौजूदा स्थिति में जहां इन तीनों ताकतों में 5-15 सीटें मिलने की संभावना है, अगर गठबंधन होता है तो यह बढ़कर 20-40 सीटें हो सकती है। अगर वोट ट्रांसफर प्रभावी ढंग से होता है, तो यह संख्या 40-70 सीटों तक भी जा सकती है। इस मामले में, भले ही गठबंधन सीधे सरकार बनाने के चरण तक नहीं पहुंचता है, यह एक 'किंगमेकर' के रूप में महत्वपूर्ण हो सकता है और दो मुख्य दलों के बीच की खाई को कम कर सकता है।

क्षेत्र पर प्रभाव:

गठबंधन का प्रभाव हर जगह समान नहीं होगा; बल्कि, यह कुछ क्षेत्रों में अधिक

दिखाई दे सकता है। उदाहरण के लिए, मुर्शिदाबाद और मालदा कांग्रेस के पारंपरिक गढ़ हैं। यदि वाम मोर्चा और आईएसएफ का समर्थन यहां जोड़ा जाता है, तो गठबंधन सीधे सीटें जीत सकता है। दक्षिण 24 परगना (भांगर क्षेत्र) में अब्बास सिद्दीकी का प्रभाव गठबंधन को एक अतिरिक्त लाभ दे सकता है। कोलकाता और शहरी क्षेत्र: अगर वामपंथी और कांग्रेस गठबंधन करते हैं, तो भाजपा के शहरी आधार को कुछ चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। जंगलमहल: वाम मोर्चे के पुनरुद्धार के प्रयासों और स्थानीय असंतोष के संयोजन से गठबंधन कुछ सीटों पर चुनाव लड़ सकता है। उत्तर बंगाल: गठबंधन का प्रभाव सीमित होने की संभावना है क्योंकि इस क्षेत्र में भाजपा अपेक्षाकृत मजबूत है। लेकिन इस मामले में मुख्य चुनौती वोट ट्रांसफर की वास्तविकता है। गठबंधन के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि उनके मतदाता एक-दूसरे को कितना स्वीकार करेंगे। यह वास्तव में देखा गया है: वाम मतदाताओं का एक वर्ग कांग्रेस का समर्थन कर सकता है, लेकिन कांग्रेस और आईएसएफ के बीच वोटों का हस्तांतरण हमेशा आसान नहीं होता है। यहां तक कि आईएसएफ के मतदाता भी सभी मामलों में वाम मोर्चे का समर्थन नहीं कर सकते हैं।

यदि यह 'जमीनी स्तर की केमिस्ट्री' नहीं बनाई जाती है, तो गठबंधन के संभावित लाभ को बहुत कम किया जा सकता है।

बड़े राजनीतिक प्रभाव:

यह गठबंधन भाजपा पर दबाव बनाएगा। क्योंकि तृणमूल विरोधी वोटों का विभाजन कम हो जाएगा। तृणमूल कांग्रेस को कुछ अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है, लेकिन इसका मूल वोट बैंक अपेक्षाकृत स्थिर रहेगा। नतीजतन, गठबंधन का प्रभाव दो प्रमुख दलों के बीच की खाई को कम करने और चुनावी मुकाबले को तेज करने का होगा। सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, वाम मोर्चा-कांग्रेस-आईएसएफ गठबंधन पश्चिम बंगाल चुनावों में एक संभावित 'गेम चेंजर' हो सकता है, लेकिन यह अपने आप कभी भी 'गेम विनर' नहीं होगा। गठबंधन की सफलता तीन चीजों पर निर्भर करेगी-वोट ट्रांसफर की प्रभावशीलता, सीट वार्ता की दक्षता और मजबूत स्थानीय उम्मीदवारों का चयन। यदि इन शर्तों को पूरा किया जाता है, तो गठबंधन चुनावी समीकरण को मौलिक रूप से बदल सकता है; अन्यथा, इसका प्रभाव सीमित होगा।

गुरु खुशवंत साहेब के पदचिन्हों पर चलने युवा संकल्पित: दक्ष वैद्य न्रे भरी हुंकार

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने प्रदेश के लोकप्रिय कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का जन्म दिवस अत्यंत उत्साह, उल्लास और जोश के साथ मनाया। कार्यकताओं ने पुष्प वर्षा, गगनभेदी नारों और जयघोष के बीच मंत्री जी को विशाल गनमला पहनाकर भव्य अभिनंदन किया तथा जरूरतमंदों को फल व खाद्य सामग्री वितरित कर साहेब का जन्म दिवस सेवा पर्व के रूप में मनाया। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि गुरु खुशवंत स-ाहेब ने हमेशा किसान, मजदूर, युवाओं और वंचित वर्गों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, इसी कारण वे प्रदेश की जनता के दिलों में विशेष स्थान रखते हैं। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं को संकल्प दिलाते हुए मंत्री जी के पदचिन्हों पर चलने, उनके आदर्शों को अपनाने और जनसेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनजीत कौशल,शिवम शुक्ला,साहिल मखीजा, प्रदेश प्रतिनिधि सोहन निषाद,शुभम वर्मा,सचिन ठाकुर,मनीष वर्मा,मोहन कुमार,अक्षय साहू, जागेश्वर मारकंडे, विकास लहरें,लोमेश बंजारे,यीशु बंजारे,मानस बंजारे,रवि भारती,संदीप गिलहरी,संजय बंजारे, अंकित पाल,सौरभ सोनी,गोलू बर्मन, बिट्टू पटेल,हर्ष पाराशर,हरीश भारती,रोशन सिंह,देव कौशल, निलेश कोसलेआशीष लकड़ा,मनीष ठाकुर,निशांत साहू सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अभिनव पहल से ग्राम पंचायतों में ही हो रहा राजस्व प्रकरणों का त्वरित निपटारा

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। जिले में राजस्व सेवाओं को सुलभ और त्वरित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत स्तर पर समस्याओं के निर-ाकरण की अभिनव पहल शुरू की है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने ग्राम पंचायत सांकरा का निरीक्षण कर बताया कि अविवादित नामांतरण और खाता विभाजन जैसे मामलों का 15 दिनों में निपटारा किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को तहसील जाने की जरूरत नहीं पड़ रही और समय-श्रम की बचत हो रही है। बीते 6 माह में 1500 से अधिक प्रकरणों का निराकरण हुआ। किसानों ने इसे पारदर्शी और लाभकारी पहल बताते हुए संतोष जताया। ग्राम सांकरा के किसान डुलेश कुमार बंजारे ने बताया कि उन्होंने फौती नामांतरण के लिए कुछ दिवस पूर्व ही आवेदन ग्राम पंचायत में किया था। जिसके बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही उनका फौती नामांतरण कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले कई बार तहसील जाना पड़ता था, अब एक ही जगह सब काम हो जाता है। जिससे उनका समय, श्रम की बचत के साथ पूरी पारदर्शी तरीके से निराकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि फौती नामांतरण होने से समर्थन मूल्य में फसल विक्रय करने, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, केसीसी जैसी योजनाओं का लाभ अब आसानी से मिल पाएगा। ग्राम सांकरा के अन्य किसान श्री देव सिंह निषाद ने भी ग्राम पंचायत में आवेदन करने के पश्चात निर्धारित समय-सीमा में उनका फौती नामांतरण किया गया है। जिससे वे अपनी खुशी जाहीर की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, जनपद पंचायत सीईओ श्री मनीष साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनता कतारों में त्रस्त, मोदी उद्घाटन में मस्त: रिबन काटने की शाही कीमत क्या 2,00,000 लीटर डीजल है?

भीड़ जुटाने के लिए सरकारी खजाने पर डाका?

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। एक तरफ देश का आम नागरिक पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई की कतारों में अपनी नियति को कोस रहा है, वहीं दूसरी तरफ सत्ता के गलियारों में 'इवेंट मैनेजमेंट' का एक ऐसा खचीर्ला खेल चल रहा है जिसे देखकर लोकतंत्र शर्मसार हो जाए। ताजा आंकड़ों और सूत्रों के हवाले से जो जानकारी सामने आई है, उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है— क्या एक रिबन काटने और चंद मिनटों के भाषण के लिए जनता के टैक्स के पैसे को पानी की तरह बहाना जायज है?

सरकारी खजाने का धुआं: 2,00,000 लीटर डीजल का गणित

'महानगर मेट्रो' की पड़ताल के अनुसार, हाल ही में हुए भव्य उद्घाटन समारोह में भीड़ जुटाने के लिए लगभग 3000 सरकारी और निजी बसों को तैनात किया गया था।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि इन बसों को अलग-अलग जिलों से लाने और ले जाने में लगभग 2 लाख लीटर डीजल फूंक दिया गया।

* **सवाल यह है:** जब देश का किसान एक-एक बूंद डीजल के लिए तरस रहा है, तब महज 'शक्ति प्रदर्शन' के लिए इस तरह की बबार्दी किसके आदेश पर हुई?

* **खर्च का बोझ:** इस ईंधन की कीमत करोड़ों में है, जिसका सीधा बोझ अंततः आम आदमी की जेब पर ही पड़ेगा।

भीड़ का 'इन्वेंटरी मैनेजमेंट': विकास या विज्ञापन?

रिपोर्ट बताती है कि उद्घाटन स्थल पर जो हजारों की भीड़ दिखाई दी, वह स्वतः स्फूर्त नहीं बल्कि 'मैनेज्ड' थी। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर ग्राम पंचायतों और ब्लॉक स्तर से लोगों को बसों में भरकर लाया गया।

* **परेशान जनता:** जिन बसों को स्कूल और सार्वजनिक परिवहन के लिए होना चाहिए था, उन्हें राजनीतिक रैलियों के लिए मोड़ दिया गया। नतीजतन, बीमार मरीज, छात्र और कामकाजी लोग घंटों कतारों में फंसे रहे।

* महंगा इवेंट: टेंट, लाइट, साउंड और विज्ञापनों पर हुआ खर्च अलग है। क्या यह पैसा "विकास" के लिए है या किसी एक व्यक्ति की छवि को चमकाने के लिए?

विपक्ष और जनता का सीधा प्रहार: "यह पैसा किसके बाप का है?"

सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक अब यह सवाल गूंजने लगा है। जनता पूछ रही है कि जब शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट पर कैंची चलाई जाती है, तब इन शाही उद्घाटनों के लिए करोड़ों रुपये कहाँ से आते हैं?

* आम आदमी की पीड़ा: एक दिहाड़ी मजदूर ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "हमें राशन की लाइन में खड़ा किया जाता है और साहब

के इवेंट के लिए बसें मुफ्त में दौड़ती हैं। यह पैसा हमारे खून-पसीने के टैक्स का है।"

महानगर मेट्रो का सीधा प्रहार:

यह रिपोर्ट किसी विचारधारा के खिलाफ नहीं, बल्कि वित्तीय जवाबदेही के पक्ष में है। लोकतंत्र में प्रधानमंत्री 'प्रधान सेवक' होता है, 'प्रधान इवेंट मैनेजर' नहीं।

* क्या सीएजी इन उद्घाटनों पर होने वाले फिजूलखर्च की ऑडिट करेगी?

* क्या रिबन काटने की रस्म को सादगी से नहीं निभाया जा सकता था?

* सरकारी बसों का राजनीतिक इस्तेमाल करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी?

सम्पादकीय निष्कर्ष: अगर सत्ता इसी तरह जनता के पैसे को अपनी ब्रांडिंग में फूंकती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब खजाना खाली होगा और जनता के हाथ में केवल 'डिजिटल इंडिया' का खाली कटोरा रह जाएगा। प्रशासन को जवाब देना होगा कि आखिर यह 'डीजल पॉलिटिक्स' कब रुकेगी?

जयपुर संत संसद से विश्व को मिला एकता, प्रेम और धर्म रक्षा का संदेश

महानगर मेट्रो

जयपुर। राजधानी में आयोजित संत संसद में देशभर की अनेक प्रतिष्ठित धार्मिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं के साथ अनेक संतों का अद्भुत और आत्मीय संगम देखने को मिला। इस अवसर पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज, आध्यात्मिक चिकित्सा के माध्यम से जनसेवा कर रहे श्री करौली सरकार शंकर महादेव जी, तथा पंडोखर धाम के पीठाधीश्वर पंडित श्री गुरु शरण शर्मा जी महाराज के बीच अद्वितीय प्रेम और आत्मिक मिलन का भावपूर्ण दृश्य उपस्थित जनसमूह के लिए प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम के उपरांत तीनों पूज्य संतों ने आपसी स्नेह और सम्मान का परिचय देते हुए एक-दूसरे को अपने हाथों से मिष्ठान खिलाकर विश्व को यह संदेश दिया कि आपसी सम्मान, समन्वय और प्रेम से ही संपूर्ण विश्व का कल्याण संभव है। यह दुर्लभ क्षण कैमरे में कैद हुआ,

जो वर्तमान समय में बढ़ती वैचारिक कटुता के बीच एक सकारात्मक और प्रेरक उदाहरण के रूप में सामने आया। जहाँ एक ओर समाज में विचारों के मतभेद के कारण विभाजन और कटुता देखने को मिलती है, वहीं इन तीनों संतों का यह आत्मिक मिलन संपूर्ण मानवता के लिए एकता, सद्भाव और सहयोग का अद्वितीय संदेश देता है। उल्लेखनीय है कि पंडोखर धाम द्वारा दिनांक 2 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिन संत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्र रक्षा, धर्म रक्षा, गौ रक्षा तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण , एवं आतंकवाद के खिलाफ हेतु महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इस सम्मेलन में देशभर के संत-महात्माओं की सहभागिता अपेक्षित है, जो समाज को एक नई दिशा प्रदान करेगा। यह संत मिलन अपने आप में अद्वितीय है और यह सिद्ध करता है कि जब संत समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता है, तो राष्ट्र और विश्व के उत्थान का मार्ग स्वतः प्रशस्त हो जाता है।

टोंक: जिला मुख्यालय, लेकिन हालात बदतर क्यों?

महानगर मेट्रो

टोंक जिला मुख्यालय है लेकिन हालात ऐसे हैं कि गांव और तहसील भी इससे बेहतर नजर आते हैं। यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि खुली राजनीतिक लापरवाही और जनता के साथ धोखे की कहानी है। यहां नेता चुनाव के समय सपने बेचते हैं और जीतने के बाद उन्हीं सपनों को कुचलते नजर आते हैं। मालपुरा से विधायक और मंत्री कन्हैया लाल चौधरी इसका सबसे बड़ा उदाहरण बन चुके हैं। जिस क्षेत्र ने उन्हें बार-बार मौका दिया, उसी क्षेत्र को बदहाल सड़कों, अधूरी योजनाओं और बढ़ते अपराध के हवाले कर दिया गया। हर घर नल, गड्ढा मुक्त सड़क, अपराध मुक्त क्षेत्र—ये सब नारे अब जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसे लगते हैं। जमीनी सच्चाई और भी कड़वी है। सूत्रों के हवाले मिली जानकारी के अनुसार, टोंक में बजरी माफिया खुलेआम सक्रिय हैं, कोचिंग माफिया युवाओं का भविष्य बेच रहे हैं, और वसूली गैंग बिना किसी डर के काम कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या यह सब बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव है ? अगर नहीं, तो जिम्मेदार कौन है ? टोंक से मालपुरा जाने वाली सड़कें खुद गवाही देती हैं कि विकास के नाम पर कितना बड़ा खेल हुआ है। रोडवेज बसों की हालत खटारा से भी बदतर है—और यही विकास जनता को परोसा जा रहा है। सबसे बड़ा छल धार्मिक भावनाओं के नाम पर किया गया। कल्याण मंदिर को सोमनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर विकसित करने का वादा किया गया था। लेकिन आज तक वहां कोई कॉरिडोर नहीं बना—हाँ, नेताओं के नाम के जयकारे जरूर गूंजते हैं। टोंक की जनता अब समझ चुकी है कि यह सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सत्ता का साथ, अपने लोगों का विकास बन चुका है। सवाल अब सिर्फ विकास का नहीं है—सवाल है जवाबदेही का। क्योंकि जब जनता चुप रहती है, तब नेता बेलगाम हो जाते हैं। और टोंक इसका जीता-जागता उदाहरण बन चुका है।

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी।

वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो) — वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा।

मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा) — जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे।सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा।

कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी।

सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है।पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे।

कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा।

तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते) — तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं।नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी।

वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है।काम में नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी।

धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे।जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें।

मकर CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा) — आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।काम में सफलता मिलेगी।

मीन PISCES (दी दु थ झ ञ दे दो चा ची) — मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है।

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौंक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दशार्ते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दशार्ता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दशार्ता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

सनत जैन

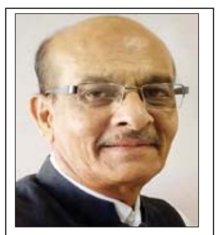

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में...

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा कर-के दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदार्फाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में मंहगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

CMYK

दिल्ली में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी अरेस्ट
पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के निर्देश पर कर रहा था काम

महानगर मेट्रो

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय आतंकी शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार किया है। सुरक्षा बलों ने एक सटीक गुप्त सूचना के आधार पर दिल्ली बॉर्डर पर जाल बिछाकर उसे दबोचा गया। आरोपी से फिलहाल गुप्त स्थान पर पूछताछ की जा रही है, जिससे भारत में फैले उसके नेटवर्क और साथियों का सुराग मिल सके।

पुलिस सूत्र का कहना है कि शुरूआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि लोन पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के सीधे निर्देश पर काम कर रहा था। उसका मुख्य कार्य भारत में लश्कर-ए-तैयबा के एक नए और घातक मॉड्यूल को सक्रिय करना था। लोन को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह युवाओं को बरगलाकर आतंकी गतिविधियों के लिए भर्ती करे और सीमा पार से मिलने वाले निर्देशों को जमीन पर उतारे। हाल के दिनों में दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों में 'भारत विरोधी' पोस्टर लगाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे और मेट्रो स्टेशनों के पास मिले इन पोस्टरों ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी थी।

बांग्लादेश में बैठकर कर रहा था हैंडल

जांच में सामने आया है कि इस 'पोस्टर मॉड्यूल' को शब्बीर अहमद लोन बांग्लादेश में बैठकर हैंडल कर रहा था। उसका मकसद सार्वजनिक स्थानों पर दहशत फैलाना और देश विरोधी भावनाओं को भड़काना था। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वह बांग्लादेश से भारत की सीमा में कब और कैसे दाखिल हुआ। खबर लिखे जाने तक आला अधिकारी मामले पर प्रेसवार्ता करने की बात कह रहे थे।

विदेशी हथियारों की तस्करी और नेटवर्क

कुछ महीनों पहले लाल किले के पास हुए ब्लास्ट के बाद से दिल्ली पुलिस आतंकी नेटवर्क के खिलाफ काफी सक्रिय दिख रही है। हाल ही में एक अन्य कार्रवाई में 10 ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जो पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत में विदेशी हथियारों की सप्लाई कर रहे थे। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि शब्बीर अहमद लोन की गिरफ्तारी से लश्कर के स्लीपर सेल्स और हथियारों की तस्करी के बीच के गठजोड़ का पदार्फाश हो सकता है। लोन की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कश्मीर के श्रीनगर, शोपियां और गांदरबल में काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर की छापेमारी जारी है। लोन से पूछताछ के बाद दिल्ली और दक्षिण भारत में सक्रिय लश्कर के अन्य गुर्गों पर भी शिकंजा कसा जाएगा।लोन की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब कश्मीर के श्रीनगर, शोपियां और गांदरबल में काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर की छापेमारी जारी है। लोन से पूछताछ के बाद दिल्ली और दक्षिण भारत में शिकंजा कसा जाएगा।

दिल्ली के राजापुरी इलाके में कुछ युवकों के बीच चाकूबाजी, 1 की मौत, 3 घायल
पुलिस मामले की जांच आरोपियों की तलाश जारी

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। डाबड़ी थाना इलाके में बीती रात कुछ युवकों में हुए झगड़े में 4 युवक घायल हो गए। जिनमें से एक की मौत हो गई। सभी घायलों को पहले अलग-अलग हॉस्पिटल में ले जाया गया था। जिस युवक की मौत हुई है उसकी बॉडी को दीनदयाल हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है इस मामले की पुष्टि करते हुए डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह ने कहा कि यह घटना बीती रात मधु विहार राजापुरी इलाके में हुई है।डाबड़ी थाना क्षेत्र के मधु विहार राजापुरी में बीती रात युवकों के बीच झगड़ा हुआ।इस हिंसक झड़प में चाकूबाजी के दौरान 4 युवक घायल हुए।घायलों में से एक युवक की मौत हो गई है।मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए दीनदयाल अस्पताल भेजा गया है।डीसीपी द्वारका ने स्पष्ट किया है कि यह दो समुदायों के बीच का झगड़ा नहीं है।पुलिस ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।द्वारका पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश और मामले की जांच कर रही है।

अपवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाही

चार युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले की सूचना पुलिस को मिली थी। जो चारों घायल हुए हैं और जिनकी डेथ हुई है वह दो अलग-अलग समुदाय के हैं। इस मामले में द्वारका पुलिस की टीम छानबीन कर रही है और आरोपी को पकड़ने के लिए पता लगा रही है। उनका कहना है, की यह कोई दो समुदाय के बीच का झगड़ा नहीं है। कोई भी इस मामले को लेकर यदि अपवाह फैला रहा है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मृतक और घायलों की पहचान की जा रही है और आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

दादरी में खूब गरजे अखिलेश यादव
महिलाओं को 40 हजार रुपये देने के ऐलान से सपा का चुनावी आगाज,

महानगर मेट्रो

नोएडा । नोएडा एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह में बीजेपी ने सपा और कांग्रेस पर राजनीतिक वार किए तो अगले ही दिन रविवार को समाजवादी पार्टी की रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया। सपा प्रमुख ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कई तरह के ऐलान किए। इसमें उन्होंने महिलाओं के लिए स्त्री समृद्ध सम्मान योजना के तहत हर साल 40 हजार रुपये देने का बड़ा ऐलान किया। दादरी के मिहिर भोज पीजी कॉलेज में रविवार को समाजवादी समानता भाईचारा (पीडीए) रैली हुई।

इसमें अखिलेश यादव ने महिलाओं के लिए स्त्री समृद्ध सम्मान योजना के तहत हर साल 40 हजार रुपये देने का बड़ा ऐलान किया। किसानों को बाजार भाव पर मुआवजा देने का वादा दोहराया और युवाओंके लिए रोजगार और ट्रेनिंग की नई व्यवस्था लागू करने की

बात कही। साथ ही 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा और 4 प्रतिशत प्लॉट देने की बात कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने भी भीड़ और लोगों के उत्साह को देखते हुए कहा कि ये लोग स्वेच्छा से पहुंचे हैं, जबकि विपक्ष की रैली 'सरकारी मशीनरी के सहारे कराई गई। यूनिवर्सिटी के छात्रों को छुट्टी देने के बहाने बुलाया गया।

मिहिर भोज की प्रतिमा को गंगाजल से धोया रैली के दौरान उन्होंने सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा को गंगाजल से शुद्ध किया और कहा कि इतिहास और महापुरुषों के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने सरकार बनने पर लखनऊ में गुर्जर समाज के महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों ने 1857 की लड़ाई लड़ी थी।

सपा ने उठाए कानून-व्यवस्था और एनकाउंटर पर सवाल

अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई एनकाउंटर फर्जी हैं और इससे प्रशासनिक तंत्र पर भी दबाव है। उन्होंने कानून के राज को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने ऐम्बुलेंस और रिस्पांस सस्टम, दूध उत्पादन बढ़ाने को अपनी उपलब्धि बताया।

गाजियाबाद से गाड़ियों का काफिला पहुंचा रैली में जिले से हजारों की सख्या में कार्यकर्ताओं और आम जनता ने पहुंचकर अपनी ताकत का अहसास कराया। सपा के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन के नेतृत्व में गाजियाबाद के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों गाड़ियों का काफिला दादरी पहुंचा। फैसल हुसैन ने दावा किया कि अकेले जिले से लगभग 5000 से अधिक लोग इस रैली का हिस्सा बनने पहुंचे।

सुल्तानपुर में इंस्पेक्टर को आवास पर लगी गोली
SP चारू निगम सामने आई

महानगर मेट्रो

सुल्तानपुर । जिले के अखंड नगर थाने में तैनात इंस्पेक्टर क्राइम अरुण द्विवेदी को रविवार शाम गोली लग गई है। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसपी चारू निगम ने स्वयं सामने आकर पूरे घटनाक्रम को स्पष्ट किया और इसे एक दुर्घटना बताया। एसपी चारू निगम ने रविवार रात को एक बयान जारी कर बताया कि शाम को सूचना मिली थी कि थाना अखंड नगर के इंस्पेक्टर क्राइम अरुण द्विवेदी को गोली लगी है।

एसपी चारू निगम ने कहा कि सूचना मिलते ही तत्काल सीओ कादीपुर को मौके पर भेजा गया। एसपी भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। घटना की जानकारी डीआईजी और एडीजी सहित उच्चाधिकारियों को भी तुरंत दी गई थी। जानकारी मिलते ही एडीजी लखनऊ प्रवीण कुमार और डीआईजी अयोध्या सोमेन वर्मा ने अखंड नगर थाना पहुंचकर जांच पड़ताल किया। एसपी चारू निगम से घटना पूरी जानकारी ली।

एसपी ने क्या कहा?

एसपी चारू निगम के अनुसार, घटना के समय इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी अपने कमरे में अकेले थे और सामान रख रहे थे। उनके पास उनकी 32 बोर की लाइसेंसी रिवॉल्वर थी, जिसे वे अक्सर अपने साथ रखते थे। शाम को तैयार होते समय उन्होंने रिवॉल्वर को एक तौलिये पर रखा था। जब उन्होंने तौलिया खींचा, तो रिवॉल्वर नीचे गिर गई और दुर्घटनावश गोली चल गई।

एसपी के अनुसार, गोली इंस्पेक्टर के सीने के पास लगी और दाहिने कंधे की हड्डी में जाकर अटक गई। थाने पर मौजूद सब-इंस्पेक्टर ने उन्हें तुरंत एक निजी वाहन से लखनऊ के लिए रवाना किया। उनका इलाज लखनऊ के पीजीआई अस्पताल में चल रहा है।

इंस्पेक्टर की स्थिति स्थिर

एसपी ने पुष्टि की कि इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी के 'वाइटल्स' स्थिर हैं और उन्हें कोई गंभीर आंतरिक चोट नहीं आई है। फील्ड यूनिट ने घटना स्थल का निरीक्षण कर लिया है और रिवॉल्वर को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। रिवॉल्वर के चैम्बर में पांच राउंड और एक खाली खोखा मिला है।

एसपी चारू निगम ने स्पष्ट किया कि यह एक दुर्घटना थी। उन्होंने घायल होने के बावजूद खुद बाहर निकलकर मदद मांगने और अस्पताल पहुंचने के लिए इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी की बहादुरी की सराहना भी की। उन्होंने बताया कि सोमवार को ऑपरेशन के बाद स्थिति और भी स्पष्ट हो जाएगी।

इंस्पेक्टर की सामने आई तस्वीर

लखनऊ में अस्पताल में भर्ती इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी की जो फोटो सोशल मीडिया पर सामने आई है। उसको लेकर तरह तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस अधिकारी भले ही इसे दुर्घटना बता रहे हैं, लेकिन फोटो में गोली लगने के स्थान को देखकर लोग इसे साधारण घटना मानने को तैयार नहीं हैं। यही नहीं, सवाल ये भी हो रहा कि बगैर स्थानीय सीएचसी पर प्रथम उपचार के इंस्पेक्टर को सीधे लखनऊ किस कारण ले जाया गया।

चर्चा में है अखंड नगर थाना

पिछले 15 मार्च से अखंड नगर थाना चर्चा में बना हुआ है। जब यहां जमीन के विवाद में पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री राणा अजीत सिंह उनके पुत्र समेत आठ की गिरफ्तारी हुई। इसके बाद मामले में लगातार पुलिस का शिकंजा कसता गया। इसके बाद मामले ने राजनैतिक रूप भी लिया। भाजपा एमएलसी देवेंद्र सिंह ने पुलिस कप्तान पर सवाल उठाए थे।

16 वर्षीय लड़के की मोबाइल चोरी के शक में पीटकर हत्या कर दी गई. मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया

वाराणसी में किशोर की हत्या, मोबाइल चोरी के शक में पीटकर ले ली जान

महानगर मेट्रो

वाराणसी। वाराणसी से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है. जहां मोबाइल चोरी के शक में लाठियों से पीट-पीटकर एक 16 साल के लड़के की हत्या कर दी गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी के मुताबिक शनिवार रात जब सोनू अली (16) अपने घर पर था. तभी छह लोग घर में घुस आए और उस पर मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप लगाया. पीड़ित की मां ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी रमेश उर्फ बबलू पटेल उसके बेटे को जबरदस्ती पंडितपुर में एक पेट्रोल पंप के पास बने अंडरपास में ले गया. जहां लाठियों से उस पर हमला किया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया.बाद में

आरोपी उसे भदवार पुलिस चौकी ले गए और उस पर चोरी के आरोप लगाते रहे. जहां से पुलिस अली को अस्पताल ले गई. लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई. अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

थाना प्रभारी ने क्या कहा?

रोहनिया थाना प्रभारी राजू सिंह ने बताया कि मृत लड़के की शिकायत के आधार पर रमेश उर्फ बबलू पटेल, रवि पटेल, रोहित, गोविंद, गौरव पाल, आजाद अली और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज की गई है. मामले में रमेश को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं. पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है.वहीं इस घटना से पीड़ित के परिजनों में भी आक्रोश है. वे पुलिस पर भी देर से कार्रवाई करने का आरोप लगा रहे हैंवे पुलिस पर भी देर से कार्रवाई करने का आरोप लगा रहे हैं

1100 फर्जी बम धमकियों का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली । नई दिल्ली में महीनों से बम धमकियों के जरिए दहशत फैलाने वाले आरोपी को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 1100 से ज्यादा फर्जी कॉल और संदेश भेजकर राजधानी की सुरक्षा एजेंसियों को लगातार चुनौती दी थी। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान श्रीनिवास लुईस के रूप में हुई है, जो कर्नाटक का निवासी है। वह अपनी मां के साथ किराए के मकान में रह रहा था। आरोपी ने दिल्ली हाईकोर्ट, स्कूलों और अस्पतालों समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

हर धमकी के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को बड़े स्तर पर जांच करनी पड़ती थी। इससे न केवल जनता में भय का माहौल बनता था, बल्कि प्रशासन का समय और संसाधन भी भारी मात्रा में खर्च हो रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की और लगातार सुराग जोड़ते हुए आरोपी तक पहुंच गई। जांच के दौरान पुलिस टीम कर्नाटक पहुंची, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अब आरोपी को दिल्ली लाया जा रहा है, जहां उसे अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस उससे पूछताछ कर यह जानने की कोशिश करेगी कि इतनी बड़ी संख्या में फर्जी धमकियां देने के पीछे उसका मकसद क्या था और क्या उसने अन्य शहरों को भी निशाना बनाया था।

इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है और मामले की गहन जांच जारी है।

डेढ़ साल की बेटी के सामने मां की हत्या

महानगर मेट

दिल्ली। दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर इलाके में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी. सबसे बड़ी बात जिस वक्त उसने हत्या को अंजाम दिया, उस वक्त उसकी बेटी मौजूद थी. हत्या के बाद आरोपी पति मौके से भागा भी नहीं और अपनी बेटी को गोद में लेकर बैठा रहा.पुल प्रह्लादपुर इलाके से रिश्तों से भरोसा उठने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. जहां एक पति ने अपने पत्नी के सिर पर सिलेंडर से वार कर मौत के घाट उतार दिया. इस वारदात को उस समय अंजाम दिया गया, जब मृतक महिला की डेढ़ साल की बेटी मौके पर मौजूद थी. फिलहाल पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है. मृतक महिला की पहचान पूनम के रूप में हुई है. जबकि आरोपी पति की पहचान सुरेश के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक दोनों की शादी 2020 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं. एक चार साल की बेटी और एक डेढ़ साल की. वारदात के समय डेढ़ साल की बच्ची दोनों के साथ थी. हत्या को डीडीए फ्लैट इलाके के एक फ्लैट में अंजाम दिया गया. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है पड़ोसियों ने बताया कि इलाके के डीडीए फ्लैट के एक फ्लैट में पति-पत्नी अपनी 2 बच्चियों के साथ रहते थे. पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर रविवार को झगड़ा हुआ और इसी दौरान गुस्से में पति ने खाना बनाने वाला छोटा सिलेंडर उठाकर अपनी पत्नी पर ताबड़तोड़ वार करने लगा. जिस समय पति इस वारदात को अंजाम दे रहा था, उस समय उसकी डेढ़ साल की बेटी भी वहीं मौजूद थी. बेटी अपनी मां को बचाने के लिए बचाओ-बचाओ की आवाज लगा रही थी.पत्नी की हत्या के बाद बेटी को गोद में लेकर बैठा था आरोपी पतिबच्ची की आवाज सुनकर पड़ोसी फ्लैट के दरवाजे तक पहुंचे और जब दरवाजा खुलवाया तो देखा कि पत्नी जमीन पर गिरी पड़ी है. जबकि पति अपने गोद में बेटी लिया हुआ है. जिसके बाद लोगों ने पति को पकड़ा और पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है. पुलिस ने बताया कि एक पति ने अपनी बेटी के सामने सिलेंडर से मारकर पत्नी की हत्या कर दी.

भाई का वादा बना भावुक मिसाल 16 एम्बुलेंस के सायरन के साथ निकली अंतिम यात्रा
बड़े भाई की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए छोटे भाई ने किया अनोखा आयोजन

महानगर मेट्रो

उन्नाव। जिले के पूरन नगर में एक ऐसी अंतिम यात्रा निकली, जिसने पूरे शहर को भावुक कर दिया। यहां एक छोटे भाई ने अपने बड़े भाई से किया वादा इस तरह निभाया कि देखने वालों की आंखें नम हो गईं।

पूरन नगर निवासी कमलेश कुमार लंबे समय से लीवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनके छोटे भाई विमलेश, जो पेशे से एम्बुलेंस चालक हैं, लगातार उनका इलाज करवा रहे थे। बीमारी से लड़ते-लड़ते जब कमलेश को अपनी स्थिति का एहसास हुआ, तो उन्होंने अंतिम इच्छा जताई कि उनकी शव यात्रा कई एम्बुलेंस के साथ सायरन बजाते हुए निकाली जाए।

शनिवार को कमलेश की मौत के बाद रविवार को विमलेश ने इस इच्छा को पूरा करने का संकल्प लिया। दोपहर करीब 2 बजे उन्होंने अपने साथी एम्बुलेंस चालकों को बुलाया और देखते ही देखते 16 एम्बुलेंस एक साथ सायरन बजाती हुई सड़कों पर उतर आईं।

यह अनोखी शव यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए शुक्लागंज के मिश्रा कॉलोनी स्थित श्मशान घाट तक पहुंची।

एक साथ इतनी एम्बुलेंस के सायरन सुनकर शहर में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। लोगों को लगा कि कोई बड़ा हादसा हो गया है। सड़कों पर भीड़ जुट गई और लोग कारण जानने के लिए बेचैन हो उठे। लेकिन जब सच्चाई सामने आई कि यह एक भाई द्वारा अपने भाई की अंतिम इच्छा पूरी करने का प्रयास है, तो हर किसी की आंखें नम हो गईं।

कमलेश तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। छोटे भाई विमलेश ने न केवल उनका इलाज कराया, बल्कि अपनी पूरी जमा पूंजी भी खर्च कर दी। बावजूद इसके वह अपने भाई को बचा नहीं सके, लेकिन उन्होंने अंतिम विदाई को यादगार बना दिया।

इस दौरान विमलेश के साथी एम्बुलेंस चालकों ने भी मानवता और दोस्ती का परिचय दिया। उन्होंने न केवल अपनी गाड़ियां उपलब्ध कराईं, बल्कि पूरे सम्मान के साथ अंतिम यात्रा में शामिल होकर साथ निभाया।

परिवार में पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है, लेकिन इस घटना ने भाई के प्रेम और समर्पण की ऐसी मिसाल पेश की है, जो लंबे समय तक लोगों के दिलों में जिंदा रहेगी। जो लंबे समय तक लोगों के दिलों में जिंदा रहेगी।

CMYK

पोस्टर से गायब फोटो पर सियासी बवाल:
एनसीपी में बढ़ी खींचतान

महानगर मेट्रो

नागपुर। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर पोस्टर को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। रायगढ़ जिले में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बैनर से अजित पवार और सुनेत्रा पवार की तस्वीर गायब होने पर पार्टी में हलचल मच गई।

यह कार्यक्रम 27 मार्च को आयोजित किया गया था, जिसमें जिला परिषद और पंचायत समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों का सम्मान किया गया। मंच पर लगे बैनर में सुनील तटकरे, मंत्री अदिति तटकरे और अनिकेत तटकरे की तस्वीरें तो थीं, लेकिन अजित पवार और उनकी पत्नी की फोटो नहीं थी।

इस मुद्दे को लेकर पार्टी के अंदर विरोध शुरू हो गया। रोहित पवार ने इसे गंभीर मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर खींचतान चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ नेता पार्टी की कमान को लेकर अंदरखाने राजनीति कर रहे हैं। विवाद बढ़ने पर अदिति तटकरे ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि यह एक चूक थी और अजित पवार तथा सुनेत्रा पवार उनके दिल में विशेष स्थान रखते हैं।

हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे अनावश्यक विवाद बताया। उनका कहना है कि यह केवल एक गलती थी, जिसे बेवजह बड़ा बनाया जा रहा है।

फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम ने एनसीपी के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान को उजागर कर दिया है।

बालाघाट से महाराष्ट्र के इतवारी जा रही ट्रेन नागपुर के पास पटरी से उतरी

महानगर मेट्रो

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर के पास रविवार को एक बड़ी अनहोनी टल गई। रविवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट से महाराष्ट्र के इटवारी जा रही एक ट्रेन नागपुर के पास पटरी से उतर गई। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रात करीब 9.45 बजे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के तहत कलमना और कामठी के बीच हुई। इसमें कोई भी घायल नहीं हुआ। मौके पर राहत का काम जारी है।

नागपुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतरी

इससे पहले 13 मार्च को मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के नैनपुर-छिंदवाड़ा-नागपुर खंड पर खैरंजी-गंगाटोला के पास ट्रेन (11202) का सबसे पिछला डिब्बा पटरी से उतरते ही लोको पायलट ने ब्रेक लगा दिए। इससे एक बड़ा हादसा टल गया था।

लोको पायलट की सूझबूझ से अनहोनी टली

पुलिस ने बताया था कि यह घटना दोपहर करीब 12 बजे उस समय हुई, जब मध्यप्रदेश के शहडोल से महाराष्ट्र के नागपुर जा रही ट्रेन की एक बोगी के पहिए पटरियों से उतर गए। अधिकारियों ने बताया था कि ट्रेन के पटरी से उतरने का पता चलने पर लोको पायलट ने आपात ब्रेक लगाए और ट्रेन को रोक दिया था।

गैस बिल के नाम पर साइबर ठगी:
1100 के भुगतान के बाद व्यापारी से 12 लाख उड़ाए

महानगर मेट्रो

मुंबई । साइबर ठगों ने गैस बिल के नाम पर बड़ी ठगी को अंजाम दिया है। मुलुंड के एक व्यापारी से महज 1100 रुपये के बिल के बहाने करीब 12 लाख रुपये ठग लिए गए।

मिली जानकारी के अनुसार व्यापारी को मोबाइल पर एक संदेश मिला, जिसमें गैस बिल तुरंत जमा करने की चेतावनी दी गई थी। संदेश में कहा गया था कि भुगतान नहीं करने पर गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। मौजूदा गैस संकट को देखते हुए व्यापारी घबरा गया और उसने तुरंत 1150 रुपये का बिल जमा कर दिया।

कुछ देर बाद उसे एक कॉल आया, जिसमें सामने वाले ने खुद को गैस कंपनी का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि भुगतान अभी सिस्टम में अपडेट नहीं हुआ है और उसे ठीक करने के लिए एक फाइल भेजी। आरोपी ने व्यापारी के मोबाइल पर एक संदिग्ध ऐप भेजा और उसे डाउनलोड करने को कहा।जैसे ही व्यापारी ने उस फाइल को खोलकर अपने बैंक खाते की जानकारी और ओटीपी दर्ज किया, उसके खाते से करीब 12 लाख रुपये निकाल लिए गए। रकम कटने का संदेश मिलते ही व्यापारी के होश उड़ गए।घटना का एहसास होते ही व्यापारी ने तुरंत बैंक से संपर्क किया और आगे के लेनदेन रोकने की कोशिश की। इसके बाद उसने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक या फाइल पर भरोसा न करें।घटना का एहसास होते ही व्यापारी ने तुरंत बैंक से संपर्क किया और आगे के लेनदेन रोकने की कोशिश की। इसके बाद उसने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक आगे के लेनदेन रोकने की कोशिश की। इसके बाद उसने साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

भोपाल में युवक की हत्या से तनाव: विरोध प्रदर्शन, पूरा इलाका पुलिस छावनी बना
आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग तेज

महानगर मेट्रो

भोपाल । भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में एक युवक की हत्या के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।मृतक की पहचान 35 वर्षीय विजय मेवाड़ा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रभात पेट्रोल पंप के पास किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जो अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि हमलावरों ने विजय मेवाड़ा पर धारदार हथियार से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया और लोगों में गुस्सा बढ़ गया।हत्या के विरोध में संगठनों के कार्यकर्ता अशोका गार्डन थाने पहुंच गए और वहां धरने पर बैठ गए। थाने के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस के अनुसार इस मामले में तीन संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, जिनमें से दो को हिरासत में ले लिया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।अधिकारियों का कहना है कि हालात पर पूरी नजर रखी जा रही है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन तनाव को देखते हुए पुलिस सतर्क बनी हुई है।प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस के अनुसार इस मामले में तीन संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, जिनमें से दो को हिरासत में ले लिया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

महिला ने लड़के के भाई की कार में लगवाई आग

महानगर मेट्रो

इंदौर । विजयनगर पुलिस ने एक महिला और युवक को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी एक कार में आग लगने की घटना को लेकर हुई है। बताया जा रहा है कि कार में आग लगाने की साजिश महिला ने रची थी। महिला इस बात को लेकर नाराज थी कि उसका रिश्ता टूट गया था। रिश्ता टूटने के बाद उसके एक युवक को हायर की और कार में आग लगवा दी।

घर के बाहर खड़ी कार में लगी थी आग

दरअसल, इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले कपिल चौहान ने पुलिस में शिकायत की थी कि उनके घर के बाहर खड़ी कार में किसी ने आग लगा दी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद आग लगाते हुए एक अज्ञात आरोपी दिखा। उसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अजय चौहान के रूप में हुई। उसे देवास से गिरफ्तार किया गया है।

महिला मनीषा अग्रवाल गिरफ्तार

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि आरोपी युवक एक मनीषा अग्रवाल नाम की महिला के संपर्क में है। पूछताछ में यह बात सामने आई कि मनीषा ने ही युवक को 15000 रुपए कार में आग लगाने के लिए दिए थे। आरोपी अजय ने कार में आग लगाने के लिए चोरी की गाड़ी का इस्तेमाल किया था। दोनों के बीच मोबाइल पर चैटिंग हुई थी, वह पुलिस के लिए सबसे बड़ा सबूत है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बेटी की सगाई टूटने के बाद लगवाई आग

इंदौर पुलिस ने मनीष अग्रवाल और अजय चौहान को किया गिरफ्तार

महिला मनीषा अग्रवाल ने लगवाई थी फरियादी की कार में आग

कार में आग लगाने के लिए दिए 15000 रुपए

बेटी की सगाई टूटने से नाराज थी महिला

सगाई टूटने से थी नाराज

इंदौर पुलिस के अनुसार महिला अपनी बेटी की सगाई टूटने की वजह से नाराज थी। पीड़ित के कपिल के छोटे भाई के साथ महिला की बेटी की शादी तय थी। पुलिस अब मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं, आरोपी अजय का पैर टूट गया है।पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि आरोपी युवक एक मनीषा अग्रवाल नाम की महिला के संपर्क में है। पूछताछ में यह बात सामने आई कि मनीषा ने ही युवक को 15000 रुपए कार में आग लगाने के लिए दिए थे। आरोपी अजय ने कार में आग लगाने के लिए चोरी की गाड़ी का इस्तेमाल किया था। दोनों के बीच मोबाइल पर चैटिंग हुई थी, वह पुलिस के लिए सबसे बड़ा सबूत है।

मीरा-भायंदर-दहिसर मेट्रो 3 अप्रैल को होगी शुरू,
मुख्यमंत्री फडणवीस करेंगे उद्घाटन

महानगर मेट्रो

मुंबई। दहिसर-मीरा-भायंदर मेट्रो 7अ प्रोजेक्ट के पहले चरण के शुरू होने का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन 3 अप्रैल को होना तय है। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य गणमान्य व्यक्ति करेंगे। यह जानकारी विधायक नरेंद्र मेहता ने दी। इस मेट्रो प्रोजेक्ट के शुरू होने से मीरा-भायंदर के लोग अपने इलाके से सीधे अंधेरी तक यात्रा कर सकेंगे। फिलहाल लोगों को पड़ोसी शहर मुंबई आने-जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। चाहे ट्रेन से जाएं, तो भीड़भाड़ के कारण या सड़क मार्ग से जाएं, तो भारी ट्रैफिक जाम के कारण।

दहिसर-मीरा-भायंदर मेट्रो को कब मिली मंजूरी

नतीजतन इन समस्याओं से राहत पाने के लिए एक मेट्रो लाइन बनाने और उसे मुंबई के नेटवर्क से जोड़ने की लगातार मांगें उठ रही थीं। इन मांगों पर कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने 2018 में दहिसर-मीरा-भायंदर मेट्रो 9अ प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। इसके बाद 2019 में मेट्रो लाइन पर असल निर्माण कार्य शुरू हुआ।

MMRDA ने पहले फेज का काम किया पूरा

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) इस मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण दो अलग-अलग चरणों में कर रहा है। दहिसर से काशीगांव तक और काशीगांव से नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान तक। पहले चरण का ज्यादातर काम मई 2025 तक पूरा हो गया था। इसके बाद मेट्रो के ट्रायल रन किए गए। इन ट्रायल्स के सफलतापूर्वक पूरे होने पर पिछले महीने जरूरी रेगुलेटरी मंजूरियां हासिल कर ली गईं। हालांकि उम्मीद थी कि इसके तुरंत बाद मेट्रो सेवा शुरू हो जाएगी, लेकिन ऐसी अटकलें थीं कि उद्घाटन समारोह के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई उपयुक्त तारीख न मिल पाने के कारण इसका शुभारंभ टल गया था।

3 अप्रैल को मेट्रो का उद्घाटन

पिछले सप्ताह मंत्री प्रताप सरनाइक ने भी काम की प्रगति का जायजा लेने के लिए मेट्रो साइट का निरीक्षण किया था। इन घटनाक्रमों के बाद अब आखिरकार 3 अप्रैल को मेट्रो उद्घाटन समारोह के लिए शुभ तारीख के तौर पर अंतिम रूप दे दिया गया है।

रायसेन में खड़े ट्रक से टकराई स्कूटी आरक्षक की मौत... स्टेनो घायल

महानगर मेट्रो

रायसेन । जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. जिसमें पुलिस आरक्षक नमन मुद्गल की मौत हो गई. जबकि रायसेन एसपी आशुतोष गुप्ता के स्टेनो ललित मार्को गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें भोपाल में भर्ती कराया गया है. यह हादसा रायसेन के गोपालपुर मंदिर के पास देर रात करीब 12 बजे हुआ. जिसका एक सीसीटीवी भी सामने आया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार खड़े ट्रक में आरक्षक और स्टेनो की स्कूटी पीछे से घुस गई. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. जिसमें पुलिस आरक्षक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. मृतक पुलिस आरक्षक नमन मुद्गल अनुकंपा नियुक्ति पर पुलिस में भर्ती हुए थे. वहीं इस हादसे में एसपी के स्टेनो ललित मार्को घायल हो गए.मार्को के सिर में गंभीर चोट आई है. सूचना मिलते ही रायसेन एसडीओपी प्रतिभा शर्मा भी तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गई. उन्होंने घायल एवं मृतक को जिला अस्पताल पहुंचाया. दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मौके पर पहुंचने के बाद घायलों को पहचानना मुश्किल था. एसपी स्टेनो मार्को को सिर में गंभीर चोट आई है और उन्हें भोपाल रेफर किया गया है.

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. हालांकि अभी हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस ने बताया कि आरक्षक नमन मुद्गल और एसपी आशुतोष गुप्ता के स्टेनो ललित मार्को एक स्कूटी से जा रहे थे. इसी दौरान उनकी स्कूटी एक खड़े ट्रक से टकरा गई. जिससे आरक्षक की मौत हो गई. जबकि स्टेनो मार्को घायल हो गए.

श्रीअन्न बनेगा वैश्विक पहचान:
तीन फसलों को जल्द मिलेगा जीआई दर्जा

सिताही, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को मिलेगा खास दर्जा

महानगर मेट्रो

इंदौर। मध्यप्रदेश में खेती-किसानी के क्षेत्र से जुड़ी एक बड़ी पहल सामने आई है। प्रदेश की पारंपरिक फसलें—सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी और बैंगनी अरहर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए जीआई दर्जा दिलाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।राज्य सरकार ह्यकृषक कल्याण वर्ष 2026ह्न के तहत मोटे अनाज यानी श्रीअन्न को किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत माध्यम बना रही है। इन तीनों फसलों के प्रस्ताव तैयार कर चेन्नई स्थित भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री को भेज दिए गए हैं।

सिताही कुटकी एक ऐसी देशी किस्म है, जो मात्र 60 दिनों में तैयार हो जाती है और कम पानी व कमजोर जमीन में भी अच्छी पैदावार देती है। खासकर डिंडोरी जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में यह किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन बन चुकी है।

नागदमन कुटकी अपने औषधीय गुणों और पोषण के लिए जानी जाती है, जबकि बैंगनी अरहर प्रोटीन से भरपूर होने के साथ रोगों से लड़ने की क्षमता रखती है। इन फसलों की खेती से किसान प्रति हेक्टेयर अच्छा उत्पादन ले रहे हैं।सरकार ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के तहत 16 जिलों में कोदो-कुटकी की खरीद शुरू की है। प्रति क्विंटल तय प्रोत्साहन राशि से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। अब तक हजारों किसानों ने पंजीकरण कराया है और खेती का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

कुपोषण दूर करने में भी इन अनाजों ने असर दिखाया है। खासकर जनजातीय क्षेत्रों में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया है।विशेषज्ञों का मानना है कि जीआई दर्जा मिलने से इन फसलों की गुणवत्ता की पहचान वैश्विक स्तर पर बनेगी, जिससे निर्यात बढ़ेगा और किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश का श्रीअन्न एक मजबूत पहचान के रूप में उभरेगा।प्रति क्विंटल तय प्रोत्साहन राशि से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। अब तक हजारों किसानों ने पंजीकरण कराया है और खेती का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

कुपोषण दूर करने में भी इन अनाजों ने असर दिखाया है। खासकर जनजातीय क्षेत्रों में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया है।विशेषज्ञों का मानना है कि जीआई दर्जा मिलने से इन फसलों की गुणवत्ता की पहचान वैश्विक स्तर पर बनेगी, जिससे निर्यात बढ़ेगा और किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश का श्रीअन्न एक मजबूत पहचान के रूप में उभरेगा।

मैहर में शराबबंदी के बीच बड़ा खुलासा: बंद कमरे में मिला लाखों का जखीरा

महानगर मेट्रो

मैहर । मैहर में शराबबंदी के दावों के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश किया है। मां शारदा की इस पवित्र नगरी में एक आरोपी ने अपने घर को ही शराब का गोदाम बना रखा था।

कोतवाली थाना पुलिस ने चंडीगंज कटरा मोहल्ले में छापेमारी कर एक बंद कमरे से भारी मात्रा में देशी और विदेशी शराब बरामद की। पुलिस जब कमरे में पहुंची तो वहां रखे शराब के कार्टून देखकर हैरान रह गई। जानकारी के अनुसार आरोपी प्रीमियम ब्रांड की शराब और बीयर को छिपाकर बेचने की तैयारी में था।मैहर को धार्मिक नगरी घोषित किया गया है, जहां शराब की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद आरोपी रिंकू वर्मन लंबे समय से इस अवैध कारोबार में लिप्त था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 29 मार्च को घेराबंदी कर कार्रवाई की।छापे के दौरान पुलिस ने 35 कार्टून में 323 बल्क लीटर शराब और 12 कार्टून में 148 लीटर बीयर जब्त की। बरामद शराब की कीमत करीब 4 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले से ही अवैध शराब तस्करी, जुआ और रंगदारी जैसे करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी कानून के तहत मामला दर्ज किया है और उससे पूछताछ जारी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि शराब की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने साफ किया है कि धार्मिक नगरी में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।छापे के दौरान पुलिस ने 35 कार्टून में 323 बल्क लीटर शराब और 12 कार्टून में 148 लीटर बीयर जब्त की। बरामद शराब की कीमत करीब 4 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।पुलिस के अनुसार आरोपी कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले से ही अवैध शराब तस्करी, जुआ और रंगदारी जैसे करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी कानून के तहत मामला दर्ज किया है और उससे पूछताछ जारी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि शराब की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने साफ किया है कि धार्मिक नगरी में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।छापे के दौरान पुलिस ने 35 कार्टून में 323 बल्क लीटर शराब और 12 कार्टून में 148 लीटर बीयर जब्त की। बरामद शराब की कीमत करीब 4 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।पुलिस के अनुसार आरोपी कोई नया अपराधी नहीं है। एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी कानून के तहत मामला दर्ज किया है

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।
तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब पारिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे।
इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग-अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 8.30 से 9.30 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 11.30 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 4.30 से 5.30 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 7.30 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट...करेंसी मार्केट में हाहाकार!

1 डॉलर की कीमत हुई 95.58 रुपए

नई दिल्ली।

जब सुबह के समय रुपए में 128 पैसे की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी। तब किसी को भी ऐसी उम्मीद नहीं थी कि रुपया एक बार फिर से धराशाई हो जाएगा। लेकिन दोपहर आते आते करेंसी मार्केट ने ऐसी चाल बदली कि सभी हैरान रह गए। पहली बार डॉलर के मुकाबले में ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया बल्कि नया लाइफ टाइम लोअर लेवल का रिकॉर्ड 1 डॉलर की कीमत 95.58 भी बना दिया। खास बात तो ये है कि दिन के हाई से रुपए में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली। रुपए में आई गिरावट की वजह से शेयर बाजार भी धराशाई होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों को देखें तो आने वाले दिनों में रुपए में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है।डॉलर के मुकाबले में रुपए में सोमवार को दोपहर के बाद जबरदस्त गिरावट दिखाई दी और पहली बार ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया, बल्कि एक नए रिकॉर्ड लोअर लेवल पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार डॉलर के मुकाबले में रुपया दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 95.157 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले में 95.58 के लेवल के साथ लाइफ टाइम लोअर लेवल पर कारोबार करता हुआ दिखाई। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में डॉलर के मुकाबले में रुपए में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

दिन के हाई से 2.33 रुपए गिरा रुपयाआंकड़ों को देखें तो रुपए में डॉलर के मुकाबले में काफी गिरावट देखने को मिल चुकी है। आंकड़ों के अनुसार रुपया 93.247 के लेवल के साथ मजबूत हो गया था। लेकिन कारोबारी सत्र के दौरान रुपए में डॉलर के मुकाबले में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली और आंकड़ा 95.58 के लेवल पर पहुंच गया। खास बात तो ये कि करीब एक साल में रुपए में डॉलर के मुकाबले में करीब 12 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में, रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और मजबूत होकर 93.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से 128 पैसे की बढ़त थी।

शुक्रवार को, रुपया 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.85 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

क्रिप्टो मार्केट में एक साल का उतार-चढ़ाव

- बिटकॉइन और डॉगकॉइन सबसे अधिक प्रभावित

मुंबई।

पिछले एक साल में क्रिप्टोकरेंसी मार्केट निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। 31 मार्च 2025 को ग्लोबल मार्केट कैप 2.67 ट्रिलियन डॉलर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 4.28 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद तेज गिरावट आई और अब यह लगभग 2.32 ट्रिलियन डॉलर रह गया है, यानी सालाना करीब 13 फीसदी की कमी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत भी प्रभावित हुई। एक साल पहले यह 82,336 डालर पर थी, अक्टूबर में 1.25 लाख डॉलर के ऑल टाइम हाई तक पहुंची और वर्तमान में 67,405 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। इससे सालाना करीब 19 फीसदी की गिरावट हुई।

अप्रैल में भारत में लॉन्च हो रही नई कारें

नई दिल्ली।

जर्मन कार निर्माता फॉक्सवैगन अप्रैल 2026 में अपनी अपडेटेड टाइगुन फेसलिफ्ट लॉन्च करने जा रही है। नई टाइगुन में ग्राहकों को आकर्षक नया डिजाइन और उन्नत फीचर्स मिलेंगे। हालांकि, इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह कार 9 अप्रैल 2026 से भारतीय बाजार में उपलब्ध होगी। टाइगुन फेसलिफ्ट विशेष रूप से शहर में आरामदायक ड्राइव और आधुनिक तकनीक के लिए बनाई गई है। एमजी मोटर अप्रैल में अपनी नई एमजी मेजेस्टर को ऑफिशियली लॉन्च करेगी। इसे पहले जनवरी 2026 में पेश किया जा चुका है। कंपनी ने इसकी बुकिंग 41,000 रुपए से शुरू कर दी है। कार की डिलीवरी मई 2026 से शुरू होने की संभावना है। मेजेस्टर में बेहतर स्पेस और उन्नत फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे फैमिली और शहरी उपयोग के लिए उपयुक्त बनाते हैं। टोयोटा अप्रैल 2026 में अपनी पहली ईवी एसयूवी, अर्बन क्रूजर इबेला लॉन्च करने जा रही है। इसमें 40 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प मिलेंगे। कीमत का खुलासा लॉन्च के समय किया जाएगा। यह कार आधुनिक टेक्नोलॉजी और बेहतर रेंज के साथ पर्यावरण के अनुकूल विकल्प पेश करती है। निसान की मिड-साइज एसयूवी, टेक्टन, भी अप्रैल 2026 में लॉन्च हो सकती है।

यह भारतीय बाजार में किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी गाड़ियों से मुकाबला करेगी। टेक्टन में मजबूत डिज़ाइन और आरामदायक फीचर्स शामिल हैं।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

- वैश्विक और भू-राजनीतिक कारक तय करेंगे दिशा

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगभग 2 प्रतिशत गिरकर 4,492.5 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ 69.79 डॉलर प्रति औंस पर रही। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में गिरावट के पीछे गोल्ड ईटीएफ निवेशकों की बिकवाली, कमजोर भौतिक मांग, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी मुख्य कारण हैं। अमेरिकी बाजार की कमजोरी ने सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई, जिससे चांदी को कुछ सहारा मिला, लेकिन बढ़ती बॉन्ड यील्ड और ऊंचे तेल दामों के कारण

पारंपरिक मांग सीमित रही। घरेलू वायदा बाजार में सोना मामूली गिरकर 1.44 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी बढ़कर 2.27 लाख प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। रुपये की कमजोरी ने कीमती धातुओं को कुछ सहारा दिया, क्योंकि रुपया 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 94.80 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकारों के अनुसार निवेशक पश्चिम एशिया की घटनाओं, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण आंकड़े, यूरोजोन महंगाई और अमेरिकी रोजगार व खपत आंकड़ों पर नजर रखेंगे। घरेलू बाजार में सुस्ती बनी रह सकती है, क्योंकि 31 मार्च और 3 अप्रैल को महावीर जयंती और गुड फ्राइडे के चलते बाजार बंद रहेंगे।

जम्मू संभाग के 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने की मंजूरी

जम्मू।

आयुष मंत्रालय के तहत नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड ने जम्मू संभाग में 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस परियोजना के लिए कुल 53 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल के तहत संभाग के प्रत्येक जिले से 10-10 स्कूलों को चयनित किया गया है। ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए जीवंत शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित होंगे, जहां वे औषधीय पौधों की पहचान, खेती और उपयोग संबंधी जानकारी सीख सकेंगे। इसका उद्देश्य स्कूल शिक्षा प्रणाली में पारंपरिक औषधीय ज्ञान और प्रकृति के प्रति जागरूकता को जोड़ना है। आयुष निदेशक एवं जेएंडके मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के सीईओ ने इसे शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को जोड़ने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम बताया। उनका मानना है कि ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा के केंद्र बनेंगे और उन्हें प्रकृति व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाएंगे।

एनसीएलएटी ने बीएसई की अपील खारिज की

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं। इसके चलते रुपया कमजोर हुआ और इक्विटी बाजार पर दबाव देखा गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की अस्थिरता को बढ़ाया है, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है। डीमैट खातों की जब्ती से जुड़े मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की अपील को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि आईबीसी की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी को व्यापक शक्तियां प्राप्त हैं जो दिवालियापन समाधान और परिसमापन के मामलों में लागू होती हैं। बीएसई ने एनसीएलटी के अधिकार को चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि दिवालियापन के दौरान डीमैट खातों पर रोक हटाना सेबी के नियामकीय दायरे में आता है। लेकिन अपीलीय अधिकरण ने इस दलील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि दिवालियापन से जुड़े मामलों में एनसीएलटी का अधिकार सर्वोपरि है। इसका मतलब है कि भविष्य में ऐसे मामलों में एनसीएलटी के फैसलों पर विवाद की संभावना कम होगी और स्पष्टता बनी रहेगी।

सरकार ने पीडीएस में केरोसिन आवंटन बढ़ाया, अफवाहों पर नियंत्रण

- घरों में खाना और रोशनी के लिए केरोसिन उपलब्ध

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित आपूर्ति बाधा को ध्यान में रखते हुए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) का तदर्थ आवंटन मंजूर किया है। यह घरों में खाना बनाने और रोशनी के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पहले केरोसिन मुक्त माने जाने वाले 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी अब इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर मांग पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी के वितरण के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी किए हैं। 14 मार्च 2026 के बाद अब तक लगभग 39,368 मीट्रिक टन एलपीजी कमर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और लद्दाख ने इसकी आवश्यकता नहीं बताई। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और जरूरत से ज्यादा खरीदारी हुई। सरकार ने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सही जानकारी के लिए प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर भरोसा करने की अपील की गई है। वर्तमान में 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश यह नियमित जानकारी साझा कर रहे हैं।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

- इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया

नई दिल्ली।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा। सभी शुल्क रहित सीटों की उपलब्धता और लागू शर्तें बुकिंग वेबसाइट या ऐप पर स्पष्ट रूप से दिखानी होंगी। इसके अलावा, खेल उपकरण, संगीत वाद्य यंत्र जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए सभी शुल्क और किसी भी नुकसान की स्थिति में जिम्मेदारी की शर्तें भी स्पष्ट रूप से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में केवल लगभग 20 प्रतिशत सीटें मुफ्त चयन के लिए उपलब्ध हैं। बाकी सीटों के लिए यात्री 200 से 2,100 रुपये तक का शुल्क देते हैं, जो सीट की पंक्ति और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। नई नीति लागू होने

के बाद, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें सभी यात्रियों के लिए बिना शुल्क चयन विकल्प के साथ उपलब्ध होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया है। उनका कहना है कि 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने से उनकी आय पर असर पड़ेगा और नुकसान की भरपाई के लिए उन्हें हवाई किराया बढ़ाना पड़ सकता है।

डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि यह परिपत्र जारी होने की तारीख से 30 दिन बाद प्रभावी होगा।

ऑटो सेक्टर में तेज रफ्तार, मार्च 2026 में मजबूत बिक्री की उम्मीद

- ग्राहक मांग, आसान फाइनेंसिंग और ग्रामीण मजबूती से सभी सेगमेंट में ग्रोथ

नई दिल्ली।

ऑटो सेक्टर में इस समय जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और मार्च 2026 कंपनियों के लिए मजबूत कमाई का संकेत दे रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने में लगभग सभी ऑटो सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ दर्ज होने की संभावना है। बेहतर ग्राहक भावना, बढ़ती आय और आसान फाइनेंसिंग के चलते बाजार में मांग लगातार बनी हुई है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में खास मजबूती दिख रही है। प्रमुख कंपनियों की रिटेल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की सालाना बढ़त का अनुमान है, जबकि थोक बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत उछाल संभव है। मे हिंद्रा एंड मे हिंद्रा और टाटा मोटर्स को नए मॉडल्स से फायदा मिल रहा है, वहीं स्ह्नह्वह्लह्व स्ह्व5ह्वद्मद्ब की मांग मजबूत है, हालांकि उत्पादन सीमाएं थोड़ी चुनौती बनी हुई हैं। दोपहिया सेगमेंट में भी तेजी कायम है। शादी के सीजन और पिछले साल के कम आधार के कारण बिक्री में करीब 21 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान है। हालांकि रायल इनफील्ड पर निर्यात दबाव का असर देखा जा सकता है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी मांग मजबूत बनी हुई है, जहां लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। माल ढुलाई की बढ़ती जरूरत इस ग्रोथ को सपोर्ट कर रही है। सबसे ज्यादा तेजी ट्रैक्टर सेगमेंट में देखने को मिल रही है। अच्छी बारिश, बेहतर फसल और किसानों की आय में सुधार से ग्रामीण मांग मजबूत हुई है। साथ ही, जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से लागत कम हुई है, जिससे बिक्री में करीब 23 प्रतिशत की बढ़त संभव है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण निर्यात पर कुछ दबाव बना रह सकता है। कुल मिलाकर, मजबूत मांग और घटते डिस्काउंट के चलते ऑटो कंपनियों के मार्जिन में सुधार की उम्मीद है।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलनरू ई.कॉमर्स सीमा शुल्क पर भारत और अमेरिका में मतभेद

. सदस्य देशों ने 2031 तक रोक बढ़ाने पर विचार किया

नई दिल्ली । विश्व व्यापार संगठन ;डब्ल्यूटीओद्ध का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में सदस्य देशों ने इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ;ई.कॉमर्सद्ध पर सीमा शुल्क न लगाने की मौजूदा प्रथा को 30 जूनए 2031 तक बढ़ाने पर विचार किया। लगभग तीन दशकों से सदस्य देश हर दो साल में इस रोक को बढ़ाते रहे हैं। हालांकिए भारत ने राजस्व हानि की चिंताओं का हवाला देते हुए स्थायी रोक लगाने का विरोध किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीमा शुल्क में छूट के दायरे और संभावित प्रभाव पर सदस्य देशों के बीच कोई आम सहमति नहीं हैए इसलिए इसे लगातार आगे बढ़ाने के फैसले पर बारीकी से गौर करना आवश्यक है। अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देश इस रोक को स्थायी बनाने के पक्ष में हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका केवल कुछ समय के लिए रोक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता। उनका कहना था कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को दीर्घकालिक निश्चितता नहीं मिलेगी। ई.कॉमर्स और निवेश से जुड़े मुद्दों पर मतभेदों के बावजूदए मंत्रीस्तरीय बैठक में बहुपक्षवाद बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई। भारत ने विकसित देशों के दबाव के बावजूद आईएफडी समझौते में शामिल होने का विरोध किया। हालांकिए यह समझौता 129 देशों के बहुमत समर्थन के साथ पारित हुआ। पिछली दो मंत्रीस्तरीय बैठकों ;12वीं और 13वींद्ध की तरहए इस बार भी अंतिम घोषणा पर किसी सहमति की सूचना नहीं मिली।

बीएसई में गिरावट की मार, आधे से अधिक शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर

- निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की

नई दिल्ली।

मार्च 2026 में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी कमजोरी देखने को मिली है। बीएसई में सूचीबद्ध 4,270 शेयरों में से 2,234 अपने 52-सप्ताह के सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं। हर पांच में से एक शेयर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर गिर गया है। निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। 2024 के उच्चतम स्तर से अब तक कुल बाजार पूंजीकरण में 56 लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। इससे चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और सरकार पर सब्सिडी का दबाव बनेगा, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका भी है। शेयर बाजार में मंदी के बीच दिग्गज ब्रोकरेज हाउसों ने निवेश रणनीति बदल दी है। गोल्डमैन सॉक्स ने 'डिफेंसिव कंजंप्शन' और 'अपस्ट्रीम एनर्जी' को प्राथमिकता दी है। बैंकों को 'ओवरवेट' रखा गया है क्योंकि मजबूत एसेट क्वालिटी और नेट इंटरेस्ट मार्जिन सहारा दे रहे हैं। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 'अंडरवेट' किया गया है। आईटी, फार्मा और केमिकल्स पर जोखिम बरकरार है, जबकि ऑटो और

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को 'मार्केटवेट' में डाउनग्रेड किया गया है।

एचएसबीसी जैसी ब्रोकरेज हाउसें इस मंदी को खरीदारी का अवसर मान रही हैं। लंबे समय तक ऊँचे वैल्यूएशन के बाद शेयर अब अपने दीर्घकालिक औसत के करीब आ गए हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं

कि निवेशक सुरक्षित क्षेत्रों जैसे बैंकिंग और डिफेंसिव कंजंप्शन सेक्टर्स पर ध्यान दें और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सतर्क रहें।

रुपया 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 पर खुला

मुंबई।

शुरुआती कारोबार में सोमवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.57 तक और मजबूत हुआ, जो पिछले बंद भाव से 128 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अब तक के अपने निचले स्तर 94.85 पर बंद हुआ। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के

साथ 100.09 पर कारोबार कर रहा था।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई.... लेकिन सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सियासी गलियारे में दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले है।

मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा।

बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

दिग्विजय भगवा पार्टियों के 'हिंदुत्व' का विरोध कर स्वयं को सनातन धर्म का मुखर समर्थक बताते हैं। वे 'सच्चे हिंदुत्व' को परिभाषित करने के मसले पर कई बार भाजपा, आरएसएस, विहिप और अन्य हिंदूवादी संगठनों को 'शास्त्रार्थ' की चुनौती दे चुके हैं। उनका कहना है कि जो भी 'सर्वधर्म समभाव' में विश्वास नहीं रखता, वह सनातन धर्म का सच्चा अनुयायी नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, हमारा सबसे पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता है, न कि मनुस्मृति है। इस सप्ताह रामनवमी पर भी दिग्विजय अयोध्या में दिखाई दिए थे। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वे न धर्म की राजनीति करते हैं और न धर्म का राजनीति के लिए दुरुपयोग करते हैं।

एक दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय को उनके गृहनगर राघोगढ़ में 'हिंदूपति' यानी धर्म का रक्षक कहा जाता है। यह उपाधि महान योद्धा पृथ्वीराज चौहान के दौर से जुड़ी है, जिनके वंशज होने का दावा उनका परिवार करता है। पार्टी के अनेक नेताओं का कहना है कि अगर राहुल गांधी दिग्विजय सिंह के पुराने रिकॉर्ड को निकलने पर कई काम सामने आएंगें,जो आज की राजनीति में उन्हें और भी प्रासंगिक ठहराते हैं। फरवरी 2002 का 'दिघोरी सम्मेलन' इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसका मकसद राम जन्मभूमि आंदोलन पर विश्व हिंदू परिषद के एकाधिकार को ध्वस्त करना था। दिग्विजय, जो तब मप्र के मुख्यमंत्री थे, ने अपने गुरु स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की मदद से कांची कामकोटि पीठ के सम्मानित शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती को एक मंच पर लाने का कारनामा किया था। इन लोगों ने मिलकर स्वामी स्वरूपानंद की अगुवाई में एक 'रामालय ट्रस्ट' का गठन किया था। उन्होंने इसके बाद राम मंदिर निर्माण का जिम्मा विहिप के बजाय इस ट्रस्ट को सौंपे जाने का दावा किया था। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी दिघोरी में इन तीन शंकराचार्यों के साथ मंच साझा किया था। सोनिया के इस रुख से तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी काफी असहज हो गए थे। राम मंदिर के मुद्दे पर शंकराचार्यों के साथ सोनिया की नजदीकी पर वाजपेयी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने सवाल उठाया था कि जब सोनिया शंकराचार्यों के सामने नतमस्तक हो सकती हैं, तब विहिप के संतों से बातचीत करने के लिए उनकी आलोचना क्यों की जा रही है? वाजपेयी ने चुटकी लेकर कहा था, 'अगर वे शंकराचार्य का आशीर्वाद ले सकती हैं, तब मुझे महंत रामचंद्र परमहंस का आशीर्वाद लेने से वंचित क्यों किया जाना चाहिए?'

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को... बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग उठा दी। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12ः30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मल्लवाला निवासी स्वर्णजीत सिंह, विक्की सिंह और गुरुसर सैनेवाला निवासी प्रेम सिंह जस्सी बागवाली गांव में दर्शन कर लौट रहे थे। तभी उन्होंने बाइक को भारत माला रोड के गलत साइड पर मोड़ दिया सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। वहीं कार में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाइक सवार तीनों युवकों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मृतकों के परिजनों के बयानों पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरे हादसे में मां-बेटा और पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। पोते के जन्म की खुशी में परिवार ने एक दिन पहले प्रार्थना सभा आयोजित की थी, लेकिन अगले दिन घर में मातम छा गया। अमर (22) और उसकी माता निर्मला देवी (50) अपनी बेटी के ससुराल में पोते के जन्म की खुशी में आयोजित जगराते में शामिल होने हरियाणा गए थे। जगराते के बाद जब माता-पिता पक्का कलां गांव लौटने लगे तो उनकी बेटी और पोता भी उनके साथ चले गए। फतेहाबाद के पास उनकी कार की टैम्पो ट्रैवलर से टक्कर हो गई जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

देशभर में बम की धमकी से दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, 1100 ई-मेल भेजकर मचाया था हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस को दबोचा है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक पुलिस के सहयोग से मैसूर के वृंदावन लेआउट स्थित एक मकान से की गई है। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग धमकियां भेजने के लिए किया जा रहा था। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है, जहाँ उससे गहन पूछताछ की जाएगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास लुईस ने अब तक लगभग 1,100 धमकी भरे ई-मेल भेजने की बात कबूल की है। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग तकनीकी तरीकों और सिम कार्डों का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को भी व्यक्तिगत रूप से धमकी भरा ई-मेल भेजा था, जिसके बाद मामला दर्ज कर तकनीकी पड़ताल शुरू की गई थी। हफ्तों तक चली इस जांच के बाद पुलिस आरोपी के ठिकाने तक पहुँचने में सफल रही। पुलिस जांच में आरोपी की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई रोजगार नहीं है। वह अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं और घर का खर्च उनकी पेंशन से ही चलता है। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है कि आरोपी गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था और संभवत: इसी हताशा में उसने इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जान-बूझकर अदालतों और स्कूलों जैसे संवेदनशील संस्थानों को निशाना बनाया ताकि बड़े पैमाने पर दहशत पैदा की जा सके। श्रीनिवास की इन झूठी धमकियों की वजह से पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई बार स्कूलों और कार्यालयों को आनन-फानन में खाली कराना पड़ा, जिससे सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता के बीच डर का माहौल बना रहा। अब दिल्ली पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या श्रीनिवास ने अकेले ही इन वारदातों को अंजाम दिया।

कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, कार के एयरबैग न खुलने पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया क्षेत्र से कांग्रेस सांसद डॉ. प्रशांत पडोले सोमवार सुबह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब वे अपने निजी वाहन से भंडारा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। सांसद को दिल्ली में आयोजित संसद सत्र में शामिल होने के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन रास्ते में ही एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद सांसद और उनके ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के तुरंत बाद सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना की जानकारी साझा की। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए देश में सड़क सुरक्षा और वाहनों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सांसद सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा? उन्होंने विशेष रूप से कार की सुरक्षा प्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी जोरदार टक्कर के बाद भी वाहन के एयरबैग नहीं खुले। उन्होंने सरकार से मांग की कि वाहन निर्माता कंपनियों को सख्त आदेश दिए जाने चाहिए ताकि दुर्घटना के समय सुरक्षा उपकरण सही ढंग से काम करें। हादसे के बाद सांसद ने गजब की कर्तव्यनिष्ठा और जीवटता का परिचय दिया। मामूली चोटों और कार के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद उन्होंने अपना दिल्ली दौरा रद्द नहीं किया। प्राथमिक उपचार के बाद, उन्होंने एक दोपहिया वाहन से लिफ्ट ली और नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे संसद सत्र में शामिल होने के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनके समर्थकों और स्थानीय नागरिकों ने उनकी इस सक्रियता की सराहना की है, लेकिन साथ ही बार-बार हो रहे हादसों पर चिंता भी जताई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रशांत पडोले के साथ यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी वे एक सड़क हादसे का शिकार हुए थे। उस समय वे मुंबई से भंडारा लौट रहे थे, तभी सुबह के वक्त नागपुर बायपास के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिछले साल हुए उस हादसे में भी वे और उनके ड्राइवर बाल-बाल बचे थे। एक साल के भीतर दूसरी बार हुए इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और व्यस्त राजमार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले ट्रक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

एआईएमआईएम नेता जामई पर मृतकों के नाम पर चंदा जुटाने का आरोप: पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जामई एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने हत्या के मामलों में जान गंवाने वाले युवकों के परिवारों की त्रासदी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया, लेकिन यह राशि पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचाई गई। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है और दिल्ली पुलिस के पास दो अलग-अलग परिवारों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

विवाद की शुरुआत 7 मार्च को चांदनी चौक के स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद अरीब की हत्या के बाद हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद शोएब जामई संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचे और वहां एक वीडियो रिकॉर्ड किया। बाद में इस वीडियो को उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक क्यूआर कोड के साथ पोस्ट किया गया। अरीब के भाई मोहम्मद अदीब ने डीसीपी को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि यह क्यूआर कोड 'सादिया फातिमा' नामक किसी अज्ञात महिला के नाम पर था, जिससे परिवार का कोई संबंध नहीं है। अदीब का दावा है कि इस माध्यम से लगभग 7 से 8 लाख रुपये जुटाए गए, जबकि परिवार को कोई आर्थिक मदद नहीं मिली। जब परिवार ने आपत्ति जताई, तो उन्हें बताया गया कि यह आईटी टीम की तकनीकी गलती थी और केवल मामूली रकम ही जमा हुई है।

इसी तरह का एक और मामला मानसरोवर पार्क इलाके से सामने आया है। सिराजुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि नवंबर 2025 में उनके नाबालिग बेटे की हत्या के बाद भी इसी तरह का चंदा अभियान चलाया गया था। अंसारी का आरोप है कि शोएब जामई ने उनके बेटे के नाम और वीडियो का इस्तेमाल कर सादिया फातिमा के क्यूआर कोड के जरिए पैसे जुटाए, लेकिन उन्हें फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। अंसारी ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे के नाम पर किसी भी तरह का अवैध फंड इकट्ठा करने के खिलाफ हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि जामई को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर, शोएब जामई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उनका दावा है कि विपक्षी दलों से जुड़े लोग और पार्टी के कुछ पूर्व सदस्य एआईएमआईएम की छवि खराब करने के लिए पीड़ित परिवारों को गुमराह कर रहे हैं। जामई का कहना है कि उन्होंने अपने बैंक स्टेटमेंट और साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए हैं। फिलहाल, पुलिस इस पूरे वित्तीय लेनदेन और क्यूआर कोड से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की... विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को लेकर बार-बार बयान दिए जाते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है और वास्तविक मुद्दों पर काम करने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी ममता बनर्जी का समर्थन कर कहा कि अगर उन्होंने इस तरह की बात कही है, तब हो सकता हैं उनके पास कोई इनपुट होगा।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई?

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1ः30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन' यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों–गुजरात, राजस्थान और पंजाब–पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढ़ने, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, ताकि युद्ध को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि यह युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि वैश्विक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

टोल टैक्स को लेकर भड़के पंजाब के किसान, भारी बारिश के चलते कर दिया चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भारी टोल टैक्स और प्रवेश शुल्क के विरोध में सोमवार को पंजाब-हिमाचल सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पंजाब मोर्चा के कन्वीनर गौरव राणा, कीर्ति किसान मोर्चा के प्रधान हरप्रीत सिंह भट्टो और बीकेयू के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने घंटों तक चक्का जाम जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने टैक्स कम नहीं किया और टोल नाके नहीं हटाए, तो यह संघर्ष और तेज होगा।

नेताओं का कहना है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है और सरकार को जनहित में इन शुल्कों को तुरंत वापस लेना होगा। इस मुद्दे पर पंजाब सरकार से भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है, क्योंकि विधानसभा में भी इस मामले का अब तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया, जिससे यातायात व्यवस्था लंबे समय तक ठप रही। जाम की सूचना मिलने पर तहसीलदार संदीप कुमार और थाना प्रभारी जतिन कपूर के नेतृत्व में प्रशासन मौके पर पहुँचा। करीब ढाई घंटे के गतिरोध के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांगपत्र लिया और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने का भरोसा दिया। हालांकि जाम खोल दिया गया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात पूरी तरह बहाल होने में करीब चार घंटे का समय लग गया। इस बीच पठानकोट टैक्सी यूनियन के जिला प्रधान रिंकू कुमार ने ऐलान किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 1 अप्रैल को पठानकोट-डलहौजी और चंबा-धर्मशाला रूट को भी पूरी तरह ब्लॉक किया जाएगा। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका... आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

-आरोपी भारतीय नौसेना में कार्यरत और पहले से शादीशुदा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है।

इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य हिस्सों की तलाश कर रही है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि ऑनलाइन मेल-जोल और अनैतिक संबंधों का अंजाम कितना भयावह हो सकता है। कानून की सख्ती ही इसतरह के अपराधियों के मन में डर पैदा कर सकती है।

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (मंगलवार) 31 मार्च 2026

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की

स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे।

दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी (एजेंसी)। मियामी, 30 मार्च (वेब वार्ता)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया।

जैनिक सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है।

जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, ÷यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।÷ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है।

शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना 'सनशाइन डबल' पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है। सबसे पहली बार यह कारनामा साल 1994 में हुआ था। सैम्प्रास और स्टेफी ग्राफ ने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में जीत हासिल की थी।

वहीं, 2005 में फेडरर और किम क्लिस्टर्स ने यह खास उपलब्धि हासिल की थी, जबकि 2016 में जोकोविच और विक्टोरिया अजारेंका ने 'सनशाइन डबल' पूरा किया था। एटीपी रैंकिंग में सिनर अब कार्लोस अल्काराज से 1,190 प्वाइंट पीछे हैं। दूसरी ओर, 24 वर्षीय लेहेका अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 31 सदस्यीय दल घोषित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए अगले माह 1 से 9 अप्रैल 2026 नेशनल कोचिंग कैंप आयोजित किया है। इस कैंप के लिए 31 सदस्यीय भारतीय दल का चयन किया गया है। इस कैंप के लिए गोलकीपिंग इकाई में सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम हैं। वहीं डिफेंस लाइनअप में निक्की प्रधान और उदिता जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को रखा गया है। इसके साथ ही इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी हैं, जो बैक में काफी गहराई देती हैं। मिडफील्ड में कैप्टन सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के और नेहा हैं। इनके साथ-साथ सुनीता टोप्पो और इशिका जैसे उभरते हुए टैलेंट का साथ मिला। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर शामिल हैं। इसके साथ ही दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम और संगीता कुमारी भी हैं। इस कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बेहतर बनाने, टीम संयोजन तैयार करने और रणनीतिक कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। टीम नए कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का इस साल व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। टीम जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेगी, इसके बाद अगस्त में महिला विश्व कप और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों में उतरेगी। यही कारण है कि इस कैंप का महत्व काफी अहम होगा।

कैंप के लिए भारतीय दल

गोलकीपरः सविता, माधुरी किंडो, बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी

डिफेंडरः निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता, शिल्पी डबास

मिडफील्डरः सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, इशिका

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद के साथ किया करार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय समूह जेएसडब्ल्यू ग्रुप की खेल शाखा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने भारत की आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 विजेता टीम की कप्तान निकी प्रसाद के साथ करार करने की घोषणा की है। महज़ 20 वर्ष की उम्र में निकी ने अपने उत्कृष्ट नेतृत्व और लगातार शानदार प्रदर्शन से खुद को भविष्य की एक बड़ी स्टार खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

एक शांत और संयमित लीडर के रूप में निकी ने मात्र नौ वर्ष की आयु में अंडर-16 स्तर पर पदार्पण किया और दो वर्षों के भीतर कर्नाटक की अंडर-19 टीम में जगह बना ली। 13 वर्ष की आयु में पेशेवर क्रिकेट में कदम रखने के बाद उन्होंने लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत को अंडर-19 एशिया कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद मलेशिया में आयोजित वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करते हुए खिताब दिलाया। वह महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करती हैं और पिछले दो सीज़न से इस फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा रही हैं, जहां उन्हें उच्च स्तर के क्रिकेट का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ है।

इस करार पर बात करते हुए जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के टैलेंट और ब्रांड कंसल्टिंग प्रमुख हिमांशु शर्मा ने कहा, 'निकी भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें कौशल, नेतृत्व और परिपक्वता का बेहतरीन संयोजन है। घरेलू क्रिकेट में पहचान बनाने से लेकर भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने तक उनकी यात्रा बेहद प्रेरणादायक रही है। इतनी कम उम्र में उनका संतुलन और टीम को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। हमें विश्वास है कि वह भारतीय महिला क्रिकेट के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती हैं और हम उनके आगे के सफर में उनका साथ देने को लेकर उत्साहित हैं।'

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, 'जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैं ऐसी संस्था से जुड़ रही हूं, जिसने विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को लगातार समर्थन और प्रोत्साहन दिया है। युवा प्रतिभाओं पर उनका भरोसा मुझे अपने करियर के अगले चरण के लिए आत्मविश्वास देता है। मैं जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ अपनी नई यात्रा शुरू करने और आने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए उत्साहित हूं।'

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ, निकी को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं, अनुभवी एथलीट मैनेजमेंट का मार्गदर्शन और समग्र करियर समर्थन मिलेगा, जिससे वह मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी प्रगति जारी रख सकेंगी। यह सहयोग उन्हें जूनियर स्तर की सफलता से सीनियर स्तर पर एक स्थाई और सफल करियर बनाने में मदद करेगा।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ भारत के कुछ सबसे सफल और उभरते क्रिकेटर जुड़े हुए हैं, जैसे जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अक्षर पटेल, अंगक्रिश रघुवंशी और सूर्यांश शेडगे। निकी प्रसाद के जुड़ने से जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखने वाली नई पीढ़ी के भारतीय खिलाड़ियों को पहचानने और उन्हें विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

300 मैच खेलने वाली पहली फेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई । मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले चैंपियंस लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेलें हैं।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी (एजेंसी)। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं।

साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006, 2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने एक साथ यह अपना पांचवां खिताब जीता है, जिसमें दो ग्रैंड स्लैम (2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन) शामिल हैं। इस जीत के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच जाएंगी, जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच सकती हैं।

ट्रॉफी वितरण के दौरान सिनियाकोवा ने टाउनसेंड का साथ खेलने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ÷मेरे साथ खेलने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसलिए मेरे साथ खेलने और इस टूर्नामेंट को मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ इस समय का सच में मजा ले रही हूं।÷ यह दोनों खिलाड़ियों का दूसरा मियामी फाइनल था। टाउनसेंड 2023 के फाइनल में लेयला फर्नांडीज के साथ पहुंची थीं और सिनियाकोवा 2018 के फाइनल में साथी चेकियाई बारबोरा क्रेजसिकोवा के साथ खेली थीं। वहीं, एरानी और पाओलिनी ने भी इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और मियामी ओपन में रनर-अप बने, जिससे उनकी रैंकिंग में सुधार होने की उम्मीद है।

गेंद से छेड़छाड़ मामले में फखर जमान पर लग सकता है प्रतिबंध

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में गेंद से छेड़छाड़ मामले में पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी फखर जमान पर कम से कम एक मैच का प्रतिबंध लग सकता है। फखर जमान ने रविवार को पीएसएल 2026 के मैच में लाहौर कलंदर्स की कराची किंग्स के हाथों चार विकेट की हार के दौरान गेंद से छेड़छा की यह घटना सामने आई थी। यह घटना किंग्स के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान आखिरी ओवर की शुरुआत में हुई। उस समय मैदानी अंपायर फैसल अफरीदी ने हारिस रऊफ से गेंद निरीक्षण के लिए ले ली थी, क्योंकि गेंद शाहीन शाह अफरीदी और फखर के बीच एक-दूसरे को पास की गई थी। फैसल ने दूसरे ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला के साथ लंबी चर्चा की और दोनों ने गेंद से छेड़छाड़ होने का संदेह जताते हुए उसे बदलकर दूसरी गेंद लाने का फैसला किया। किंग्स को पांच पेनल्टी रन दिए गए और उनके बैट्समैन - खुशदिल शाह और आजम खान - को दूसरी गेंद चुनने की इजाजत दी गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के अनुसार, कलंदर्स के इस खिलाड़ी पर लेवल-ढ्ढढ्ढ का अपराध करने का आरोप लगाया गया है। पीएसएल सीजन में पहली बार ऐसा उल्लंघन करने पर कम से कम एक मैच और अधिक से अधिक दो मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। मैच रेफरी रोशन महानामा अगले दो दिनों में इस मामले की सुनवाई करेंगे और फखर इस आरोप का बचाव करेंगे। पांच पेनल्टी रन किंग्स के लिए अहम साबित हुए, क्योंकि उन्होंने आखिरी छह गेंदों पर 14 रन से छह गेंदों पर नौ रन कर दिए। अब्बास अफरीदी ने रऊफ को एक चौका और एक छक्का लगाकर मैच दो लीगल गेंदों में ही जीत लिया। इसके अलावा, किंग्स के हसन अली पर 19वें ओवर में हसीबुल्लाह के विकेट का जश्न मनाने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उनके काम को लेवल-ढ्ढ का अपराध माना गया, जिसने पीएसएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया।

मुंबई के खिलाफ ग्रीन ने गेंदबाजी क्यों नहीं की? रहाणे ने कहा- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) से पूछिए कि वह क्यों गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। ग्रीन ने टी-20 विश्व कप के बाद से ही गेंदबाजी नहीं की है। सोमवार को सीए ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पीठ के निचले हिस्से की हल्की चोट से उबर रहे हैं और गेंदबाजी में वापसी की उनकी टाइमलाइन IPL से पहले ही KKR को बता दी गई थी।

CA के प्रवक्ता ने कहा, 'कैमरन के पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका ईलाज चल रहा है। उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। वह इस समय भारत में धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी दबाव बढ़ा रहे हैं, ताकि करीब 10-12 दिनों में वापसी कर सकें। चयनकको यह जानकारी दे दी गई है और वे इससे पूरी तरह वाकिफ हैं।' उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने सितंबर 2024 से अक्तूबर 2025 तक 12 महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गेंदबाजी नहीं की थी, क्योंकि उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी हुई थी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा है। गेंदबाजी संयोजन के स्थिर न होने पर रहाणे ने कहा कि टीम अभी सही संतुलन तलाश रही है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है जब ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे, तो संयोजन थोड़ा अलग होगा। अभी हमें संतुलन देखना है और यह समझना है कि हमारे लिए कौन अच्छा गेंदबाजी कर सकता है। बल्लेबाजी में हमने अच्छा किया, लेकिन गेंद से सही संतुलन ढूंढना बहुत जरूरी है। उम्मीद है ग्रीन जल्द गेंदबाजी शुरू करेंगे, तब हम देख पाएंगे कि संयोजन सही बैठता है या नहीं।' KKR की मुश्किलें कई मुख्य तेज गेंदबाजो की गैरमौजूदगी से और बढ़ गई हैं, जिससे टीम को कम अनुभव वाले खिलाड़ियों पर निर्भर रहना पड़ा है। रहाणे ने इसे चुनौती भरा दौर बताया, लेकिन इसे टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए मौका भी कहा। MI के खिलाफ 6 विकेट की हार में उन्होंने ब्लेसिंग मुजरबानी, कार्तिक त्यागी और वैभव अरोड़ा को तेज गेंदबाज के तौर पर खिलाया, जबकि स्पिन की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती के साथ सुनील नारायण और अनुकूल रॉय ने संभाली। रहाणे ने कहा कि स्पिनर्स पर दबाव कम करने के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज होना जरूरी है, और सही संतुलन तभी बनेगा जब ग्रीन पूरी तरह योगदान दे पाएंगे।

वैभव सूर्यवंशी ने बताया कौन हैं बचपन के हीरो, युवराज सिंह के अलावा इस विदेशी खिलाड़ी का लिया नाम

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। भारत के युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन के राजस्थान रॉयल्स (RR) के पहले मैच से पहले अपने बचपन के हीरो के बारे में बात की। उन्होंने क्रिकेट के दिग्गजों ब्रायन लारा और युवराज सिंह को ऐसे क्रिकेटर बताया जिन्हें वह बड़े होते समय पसंद करते थे।

RR अपना IPL 2026 अभियान 30 मार्च को पांच बार के चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के खिलाफ शुरू करेगा। RR के खिताब की दौड़ में ICC अंडर-19 विश्व कप 2026 के विजेता सूर्यवंशी एक अहम भूमिका निभाएंगे। सूर्यवंशी ने 2025 सीजन से पहले, 13 साल की उम्र में IPL डील पाने वाले सबसे

कम उम्र के खिलाड़ी बनने के बाद से खेल के सभी फॉर्मेट में अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं।

जियोस्टार से बात करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने अपने बचपन के हीरो के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा और भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की अकेले दम पर मैच खत्म करने की काबिलियत के कायल थे, जिसने बड़े होते समय उन पर गहरा असर डाला। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने ब्रायन लारा और युवराज सिंह, दोनों को अकेले दम पर मैच खत्म करते देखा है। अगर वे क्रीज पर होते थे, तो विरोधी टीम के पास मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं होता था और यही बात मुझे उनके बारे में सबसे ज्यादा पसंद थी।'

सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स द्वारा चुने जाने के बाद उनका ध्यान टीम को मज़बूत शुरुआत देने, पावरप्ले में आक्रामक खेलने और उन शुरुआत को लंबी पारियों में रनों में बदलने पर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सीजन में उनका मुख्य लक्ष्य टीम को खिताब जीतने में मदद करना है, क्योंकि उनका मानना है कि अगर टीम सफल होती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन अपने आप ही उभरकर सामने आएंगे।

उन्होंने कहा, 'जब मुझे टीम में चुना गया, तो मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम को एक अच्छी शुरुआत देना था। मैं पावरप्ले में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था, और अगर मुझे अच्छी शुरुआत मिलती, तो मैं उसे जारी रखते हुए बिना अपना विकेट गंवाए लंबी पारी खेलना चाहता था। मुझे पता था कि अगर मैं अपने शॉट्स खेलूंगा, तो मैच का रुख बदल जाएगा, क्योंकि 200 से जयादा रनों का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। इस सीजन में लक्ष्य टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं, तो मेरा और टीम का प्रदर्शन अपने आप ही सुर्खियों में आ जाएगा और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।'

2025 सीज़न से पहले हुए IPL मेगा ऑक्शन के दौरान सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ 1.1 करोड़ रुपए का करार किया, जिससे वह IPL के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उसी सीजन में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हुए IPL मैच में 14 साल की उम्र में सूर्यवंशी झ20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और IPL में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए। अपनी IPL यात्रा की शुरुआत पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर करने वाले सूर्यवंशी सीजन के उभरते हुए युवा सितारों में से एक बन गए। उन्होंने 7 पारियों में 36.00 की औसत और 206.55 के स्ट्राइक रेट से कुल 252 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था।

शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज' चुना

लुसाने। भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है जिनकी असाधारण उपलब्धियों में ऐतिहासिक विश्व चैम्पियनशिप खिताब शामिल है । जम्मू कश्मीर की 19 वर्ष की शीतल देवी विश्व पैरा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भुजाहीन तीरंदाज बनी । उन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांग्जू में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में खिताब जीता था । शीतल भुजायें नहीं होने के बावजूद अपने पैर और कंधे का इस्तेमाल करके तीरंदाजी करती हैं । वह विश्व चैम्पियनशिप में महिला टीम में रजत और मिश्रित टीम में कांस्य भी जीत चुकी है । विश्व तीरंदाजी ने कहा ,'' भारत की शीतल देवी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना गया है जिन्होंने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्व खिताब समेत कई उपलब्धियां हासिल की ।'' शीतल ने पेरिस पैरालम्पिक में मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था। वह एशियाई पैरा खेल 2022 और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में व्यक्तिगत रजत जीत चुकी है । शीतल ने सोमवार को एक्स पर लिखा ,' दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामांकन मिलना और अब विश्व तीरंदाजी द्वारा सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना ।इस सफर में जो भी मिला उसके लिये मेरा दिल कृतज्ञता और भावनाओं से भरा हुआ है ।धन्यवाद ।''

CMYK

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्यम 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर -2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।

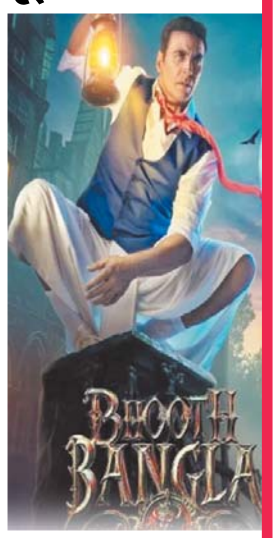

'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीन्स की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

क्यों बनाते हैं सिर्फ कॉमेडी फिल्में

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में की हैं। जिनमें हेरा फेरी, गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी फिल्में हिट रही हैं। उन्होनें अपनी बातचीत में कहा, 'मैं सोचता हूं कि लोग अलग-अलग कहानियां देखना पसंद करते हैं। 'भूत बंगला' पूरी तरह से एक मनोरंजक फिल्म है। जो लोगों की रूचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरूआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेंस ड्रामा वाली फिल्में बनाने से बचता हूं।'

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

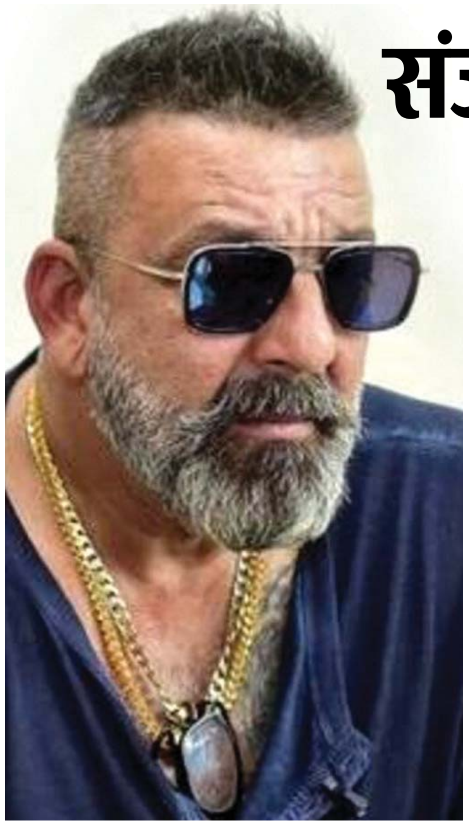

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर्स में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं :

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्ट और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है।

'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी

इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं।

'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ङ्ग पर एक ट्वीट में दी है। 'वन' को अङ्कस्न के अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मॉम शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मंदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंध : विदेश मंत्री रोड्रिग्ज ने ईंधन नाकेबंदी और आर्थिक दबाव पर साधा निशाना

हवाना, एजेंसी। क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पैरिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर क्रूर ईंधन नाकाबंदी है। रोड्रिगेज के मुताबिक, अमेरिका न सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है। दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, 'अगला नंबर क्यूबा का है, लेकिन मीडिया से कहता हूं कि इस बात को नजरअंदाज करें।' यह बयान उन्होंने मियामी, फ्लोरिडा में आयोजित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन में दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका पहले ही वेनेजुएला और ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया था, जबकि 28 फरवरी से ईरान पर हमले जारी हैं। इससे पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप कह चुके हैं कि क्यूबा जल्द गिरने वाला है, हालांकि फिलहाल उनका ध्यान ईरान पर केंद्रित है।

व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया नया मोबाइल ऐप, अब ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस ऐप' नाम से एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसका मकसद लोगों तक सरकार की जानकारी सीधे पहुंचाना और पारंपरिक मीडिया के बजाय सीधे संवाद को बढ़ावा देना है। इस ऐप में 'न्यूज' सेक्शन दिया गया है, जहां सरकारी बयान और आधिकारिक अपडेट मिलेंगे। इसके अलावा फोटो गैलरी और सोशल मीडिया सेक्शन भी मौजूद है, जिसमें व्हाइट हाउस की गतिविधियां एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं। ऐप में लोगों के लिए सीधे जुड़ने के कई विकल्प भी दिए गए हैं। यूजर्स ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकते हैं, सवाल पूछने के लिए फॉर्म भर सकते हैं और नियमित अपडेट पाने के लिए सब्सक्रिप्शन ले सकते हैं। इसके अलावा ऐप में 'आईसीई टिप लाइन' फीचर भी जोड़ा गया है, जिससे लोग इमिग्रेशन और कस्टम विभाग को सीधे जानकारी दे सकते हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक, इस ऐप के जरिए यूजर्स को लाइव वीडियो, तुरंत अपडेट और बिना किसी फिल्टर के जानकारी मिलेगी। यह ऐप ऐसे समय पर लॉन्च हुआ है, जब अमेरिका में ट्रम्प की लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक उनकी अप्रूवल रेटिंग 41% है, जबकि 59% लोग उनके कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं।

बैथ आयरन वर्क्स में हड़ताल खत्म, कर्मचारियों ने अनुबंध मंजूर किया

ओरेगन, एजेंसी। पोर्टलैंड के मेन में बैथ आयरन वर्क्स के कर्मचारियों ने एक सप्ताह की हड़ताल के बाद नए अनुबंध को मंजूरी दे दी। हड़ताल समाप्त होने के बाद काम तुरंत शुरू हो गया। हड़ताल में शामिल कर्मचारी बैथ मरीन ड्राफ्ट्समेन एसोसिएशन के सदस्य थे। नए अनुबंध की अवधि चार साल की है। यूनियन के अनुसार, इन कर्मचारियों में डिजाइनर, तकनीकी क्लर्क, लैब तकनीशियन और सहायक इंजीनियर शामिल हैं। बैथ आयरन वर्क्स अमेरिका की मुख्य नौसेना शिपबिल्डिंग कंपनी है। यह कंपनी अर्ली बर्क-क्लास डिस्ट्रॉयर बनाती है, जिसे नौसेना की सतही फ्लीट की रीढ़ माना जाता है। हड़ताल अमेरिका-ईरान युद्ध और रक्षा निर्माण बढ़ाने की आवश्यकता के बीच हुई थी।

यूक्रेन पर रूसी ड्रोनों का बड़ा हमला अस्पताल और गैस संयंत्र तबाह

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर लगातार ड्रोन हमले कर भारी तबाही मचाई है। शनिवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और एक अस्पताल, गैस उत्पादन सुविधाओं और पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। वायुसेना के अनुसार, रूस ने 273 ड्रोन दागे, जिनमें से 252 मार गिराए गए। ओडेसा क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई और एक बच्चे सहित 12 घायल हो गए।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका तक हमला करने की योजना बना रहा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी युद्ध के बीच ही उत्तर कोरिया भी सीधे अमेरिका तक वार करने वाली मिसाइल तैयार करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है। रविवार को ही किम जोंग उन के सामने ही सॉलिड फ्यूल इंजन का टेस्ट किया गया है जिसका इस्तेमाल मिसाइलों में किया जाएगा। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह अमेरिका की धरती तक सीधा वार कर सके।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (के मुताबिक उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ईरान पर हमले को लेकर अमरिका और इजरायल पर भड़के हैं। उन्होंने अपने भाषम में अमेरिका को आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया ने जिस इंजन का टेस्ट किया है वह 2500 किलोटम का पेलोड ले जा सकता है। सितंबर महीने में भी उत्तर कोरिया ने ऐसे ही एक इंजन का टेस्ट किया था जिसमें 1900 किलोटन भार ले जाने की क्षमता थी।

जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को सीधी चुनौती देता है और इसलिए वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा है। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह सीधा अमेरिका तक हमला करने में सक्षम हो जाए। केसीएनए ने यह नहीं बताया कि यह टेस्ट कहां और कितने बजे किया गया। उत्तर कोरिया पांच साल का एक सैन्य शक्ति अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य परमाणु क्षमता, इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करना है। हाल के सालों में उत्तर कोरिया ने ऐसे कई हथियारों का परीक्षण किया है जो कि अमेरिका के मेनलैंड में हमला करने में सक्षम हों। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ाने की यह कोशिश संभवतः एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने के प्रयासों से जुड़ी है ताकि अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाई जा सके। केसीएनए की खबर के अनुसार किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण का ''देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाने में बहुत महत्व'' है। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने विभिन्न प्रकार की ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है जो अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंचने की उनकी संभावित क्षमता को प्रदर्शित करती हैं। इनमें ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें भी शामिल हैं जिनका प्रक्षेपण से पहले पता लगाना अधिक कठिन होता है। किम जोंग उन ने कहा था कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन 'चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम केसीएनए के अनुसार किम जोंग उन ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बने नए उन्नत इंजन का 'ग्राउंड जेट' परीक्षण देखा। नए इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है, जो पिछले सितंबर में परीक्षण किए गए लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस शक्ति वृद्धि का उद्देश्य एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने की क्षमता बढ़ाना और अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाना है। हालांकि केसीएनए ने परीक्षण की सटीक तिथि और स्थान नहीं बताया।

अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें केसीएनए ने बताया कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसमें सामरिक हमले के साधनों को उन्नत करना शामिल है। किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर ले जाने में महत्वपूर्ण है। पिछले कई सालों में उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के विभिन्न परीक्षण किए हैं, जिनमें ठोस ईंधन वाली मिसाइलें भी शामिल हैं। ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें प्रक्षेपण से पहले पहचानने में अधिक कठिन होती हैं, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली के लिए चुनौती बढ़ जाती है। ईरान में बाद उत्तर कोरिया नई मुसीबत ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में गंभीर नुकसान झेल रहे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए अब उत्तर कोरिया एक नई चुनौती बन सकता है। लगातार मिसाइल और हथियार परीक्षण कर रहे किम जोंग उन की गतिविधियों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप पर अक्सर तनावपूर्ण स्थिति बनी रहती है।

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला, दो कर्मचारी घायल

तेहरान, एजेंसी। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है।

कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया 'कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं।' कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा।

आईआरजीसी ने ली हमले की जिम्मेदारी : इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ईरानी सरकारी मीडिया ढ्ढ्रञ्जह्लक्के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया।

अमेरिकी सैन्य उद्योग से जुड़ाव का आरोप : आईआरजीसी ने आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित 'अमेरिकी-जायोनी' हमलों के जवाब में की गई है।

तनाव बढ़ने के संकेत : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर जेलेंस्की का बड़ा दावा, कहा- ईरान की मदद कर रहा है रूस?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि रूस ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे की उपग्रह तस्वीरें हमले से ठीक पहले कई बार ली थीं और यह जानकारी ईरान के साथ साझा की गई हो सकती है। इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल को और गंभीर बना दिया है। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह सामने आया है कि रूस के सैटेलाइट ने प्रिंस सुल्तान एयरबेस की 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को तस्वीरें ली थीं। इसके ठीक एक दिन बाद 26 मार्च को ईरान ने इस एयरबेस पर हमला किया।

बताया गया है कि इस हमले में ईरान ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई गई है। यह एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब दोनों की सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक ठिकाना है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अनुभव के अनुसार, रूस द्वारा किसी स्थान की बार-बार सैटेलाइट इमेजिंग करना संभावित हमले का संकेत होता है। उन्होंने कहा, 'अगर वे एक बार तस्वीर लेते हैं तो तैयारी होती है, दूसरी बार लेते हैं तो वह अभ्यास जैसा होता है और तीसरी बार का मतलब है कि एक-दो दिनों में हमला हो सकता है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में अभी तक कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन ने यह जानकारी कैसे प्राप्त की। फिर भी इस बयान को वैश्विक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि इससे रूस और ईरान के बीच संभावित सैन्य सहयोग की आशंकाएं बढ़ती हैं। जेलेंस्की इस समय खाड़ी देशों के दौरे पर हैं, जहां वे अपने देश की एयर डिफेंस प्रणालियों को साझा करने और सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन की ये प्रणालियां रूस के साथ चल रहे युद्ध में परखी जा चुकी हैं और अब उन्हें ईरानी मिसाइल और ड्रोन खतरों का सामना कर रहे देशों के लिए उपयोगी बताया जा रहा है।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका में निकली ट्रंप के खिलाफ रैली

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका और यूरोप में हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर नो किंग' नाम से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन डोनाल्ड की नीतियों खासकर ईरान के साथ चल रहे युद्ध और उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली के खिलाफ आयोजित किए गए। इन रैलियों ने न केवल अमेरिका बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप के फैसलों ने मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी है। कई अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी वृद्धि, महंगाई में तेजी और यहां तक कि स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन विरोध प्रदर्शनों का केंद्र अमेरिका का मिनेसोटा राज्य रहा, जहां हजारों लोग एकजुट होकर ट्रंप की इमिग्रेशन नीति के खिलाफ खड़े नजर आए। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के रूप में पेश किया और सरकार की नीतियों को चुनौती दी। नो किंग' रैलियों के आयोजकों के अनुसार, इससे पहले जून और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों में क्रमशः 50 लाख और 70 लाख लोग शामिल हुए थे। इस बार करीब 90 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी, हालांकि वास्तविक आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं हैं। इन प्रदर्शनों में आव्रजन नीति, ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती और ईरान युद्ध जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। इस बीच, मशहूर अमेरिकी गायक ब्रूस स्प्रिंग्सटीन मिनेसोटा के सेंट पॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण बने। उन्होंने अपने गीत 'स्ट्रीट आफ मिनियापोलिस ' के जरिए पुलिस कार्रवाई और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। यह गीत संघीय एजेंटों द्वारा दो लोगों की मौत के बाद लिखा गया था। स्प्रिंगस्टीन ने मंच से लोगों के विरोध को उम्मीद की किरण बताया। देश के अन्य हिस्सों में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। सैन डियागो में लगभग 40,000 लोगों ने मार्च किया, जबकि वाशिंगटन डीसी में सैकड़ों लोग लिंकन स्मारक से लेकर नेशनल मॉल तक रैली निकालते दिखे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'पुट डाउन द क्राउन' और 'सत्ता परिवर्तन की शुरुआत घर से होती है' जैसे नारे लिखे पोस्टर थे।

लॉस एंजिल्स में स्थिति कुछ तनावपूर्ण हो गई, जहां पुलिस ने एक संघीय डिटेंशन सेंटर के पास आंसू गैस का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में नागरिक अधिकार संगठनों ने सरकार पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। इन प्रदर्शनों की गूंज यूरोप में भी सुनाई दी। रोम, लंदन और पेरिस सहित कई शहरों में लोगों ने मार्च निकालकर ट्रंप की नीतियों और ईरान युद्ध का विरोध किया। रोम में प्रदर्शनकारियों ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ भी नारे लगाए, जबकि लंदन में 'स्टॉप द फार राइट' जैसे संदेश देखने को मिले। वाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को खारिज करते हुए कहा कि ये वामपंथी संगठनों द्वारा प्रायोजित हैं और आम जनता का इनसे ज्यादा संबंध नहीं है।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कमर बाजवा की मौत

बाथरूम में फिसलने से सिर में गंभीर चोट आई थी, 1 महीने से हॉस्पिटल में थे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वे आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सर्जरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। इमरान खान के साथ विवादों की वजह से चर्चा में थे कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। शुरुआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। जब 2018 में इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तब कहा जाता था कि सरकार और सेना 'एक पेज' पर हैं। माना जाता है कि उस समय बाजवा के नेतृत्व में सेना का इमरान सरकार को समर्थन था और दोनों के बीच तालमेल ठीक था। लेकिन 2021 में आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। सेना चाहती थी कि नदीम अंजुम को तुरंत ISI चीफ बनाया जाए, जबकि इमरान खान इस फैसले को टाल रहे थे। यहीं से दोनों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई। इसके बाद 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना ने उनका साथ छोड़ दिया और विपक्ष को समर्थन दिया। हालांकि सेना ने इन आरोपों से इनकार किया। सरकार जाने के बाद इमरान खान ने खुलकर बाजवा और सेना की आलोचना शुरू कर दी। उनके 'न्यूट्रल तो जानवर होता है' वाले बयान ने इस विवाद को और बढ़ा दिया। 6 साल में अरबपति हो गया था बाजवा का परिवार कमर जावेद बाजवा के रिटायरमेंट के बाद उनकी फैमिली की संपत्ति को लेकर भी बड़ा विवाद हुआ था। 2022 में पाकिस्तानी पत्रकार अहमद नूरानी की रिपोर्ट में कहा गया था उनके परिवार की संपत्ति महज 6 साल में तेजी से बढ़कर अरबों में पहुंच गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में फार्म हाउस बनाए, बड़े बिजनेस शुरू किए और विदेशों में भी प्रॉपर्टी खरीदी। रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 1200 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा हो सकती है। यह प्रॉपर्टी मुख्य रूप से उनकी पत्नी आयशा अमजद, बहू महनूर साबिर और परिवार के अन्य करीबी लोगों के नाम पर बताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 तक आयशा अमजद के नाम कोई प्रॉपर्टी नहीं थी, लेकिन 2016 में अचानक कई प्रॉपर्टी खरीदी गई और उनकी संपत्ति तेजी से बढ़ गई।

अमेरिकी संसद ने खोली पोल, कहा- पाकिस्तान में बैठे हैं भारत पर हमला करने वाले आतंकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान एकबार फिर बेनकाब हो गया है। अमेरिकी संसद की रिसर्च यूनिट अमेरिकी कांग्रेस अनुसंधान सेवा की एक ताजा रिपोर्ट ने भारत की उन आरोपों को और बल दिया है जिनमें पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क पर इस रिपोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की जमीन से भारत और खासकर कश्मीर में कई आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल जिहाद इस्लामी, हरकत उल-मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से विभिन्न आतंकी संगठनों का केंद्र रहा है, जिनमें से कई 1980 के दशक से सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने इन पर कार्रवाई के लिए कई सैन्य अभियान और नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन इन संगठनों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका है। आपको बता दें कि यह रिपोर्ट दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के. एलन क्रोनस्टाड्ट द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना है। इसमें आतंकी संगठनों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। वैश्विक, अफगानिस्तान केंद्रित, भारत (कश्मीर) केंद्रित, घरेलू और सांप्रदायिक विशेषकर शिया विरोधी। तालिबान का भी जिक्र वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठनों में अल कायदा, भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत का उल्लेख किया गया है। वहीं अफगानिस्तान से जुड़े संगठनों में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क शामिल हैं। घरेलू स्तर पर सक्रिय समूहों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और जैश अल-अदल का नाम लिया गया है, जबकि सांप्रदायिक संगठनों में सिपह-ए-सहाबा पाकिस्तान और लश्कर-ए-झांगवी का जिक्र है। पाकिस्तान का ऐक्शन बेअसर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2014 में पाकिस्तान द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय कार्ययोजना का उद्देश्य देश में किसी भी सशस्त्र मिलिशिया को सक्रिय नहीं रहने देना था। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सैन्य अभियानों, हवाई हमलों और हजारों खुफिया आधारित ऑपरेशनों के बाद भी इन संगठनों को समाप्त नहीं किया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक, कई बड़े सैन्य अभियान और सैकड़ों हजार खुफिया ऑपरेशन भी उन आतंकी संगठनों को खत्म करने में असफल रहे हैं, जिन्हें अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है और जो अब भी पाकिस्तान में सक्रिय हैं। रिपोर्ट यह भी स्वीकार करती है कि पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहा है। 2003 के बाद से देश में आतंकी हमलों की संख्या और प्रभाव काफी बढ़ा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-इजरायल पर विश्वविद्यालयों को 'जानबूझकर' टारगेट करने का लगाया आरोप

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष की वजह से दुनिया के दूसरे देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजरायल पर ये आरोप लगाया है कि दोनों देश जानबूझकर विश्वविद्यालयों पर हमले कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिका और इजरायल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध के दौरान जानबूझकर कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च सेंटर पर हमला किया। इन हमलों में इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी शामिल हैं। बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमले का असली मकसद सामने आ रहा है: यूनिवर्सिटी, रिसर्च सेंटर, ऐतिहासिक स्मारकों और जाने-माने वैज्ञानिकों को सिस्टमैटिक तरीके से निशाना बनाकर हमारे देश की वैज्ञानिक नींव और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना।' ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के मुताबिक, युद्ध की वजह से ईरान में कम से कम 600 शैक्षिक जगहों को नुकसान पहुंचा है या वे नष्ट हो गई हैं। उन्होंने लिखा, 'इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उन कई यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर में से सिर्फ दो हैं जिन पर हमलावरों ने पिछले 30 दिनों में जानबूझकर हमला किया है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और आने वाले खतरे का मुकाबला करना सिर्फ झूठे बहाने थे, सिर्फ मनगढ़ंत बातें जो उनके असली इरादे को छिपाने के लिए बनाई गई थीं।' इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका और इजरायल की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की थी। उन्होंने कहा, 'ईरान के ऊपर दो न्यूक्लियर सरकारों यानी अमेरिका और इजरायल की तरफ से जबरदस्ती एक गैर-कानूनी युद्ध थोप दिया गया है। यह हमला साफ तौर पर बिना किसी वजह के और बहुत बेरहम है।' उन्होंने यह हमला 28 फरवरी को शुरू किया जब ईरान और अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका की कही जा रही चिंताओं को हल करने के मकसद से एक डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगे हुए थे। नौ महीने में दूसरी बार, उन्होंने बातचीत को रोककर और पटरी से उतारकर डिप्लोमेसी को धोखा दिया।' उन्होंने कहा कि इस हमले के सबसे डरावने उदाहरणों में से एक दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल पर किया गया हमला था, जहां 175 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स को जानबूझकर और बेरहमी से मार डाला गया था। अगर वो यह कहते हैं कि ये हमला जानबूझकर और पहले से प्लान किया गया नहीं था, तो इसे माना नहीं जाना चाहिए। अराघची ने कहा कि स्कूल को टारगेट करना एक वॉर क्राइम और इंसानियत के खिलाफ एक ऐसा अपराध है जिसकी सभी को साफ और बिना शर्त निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल इस गैर-कानूनी युद्ध के पिछले 27 दिनों में अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए घिनौने जुर्मों का अकेला शिकार नहीं है। हमलावरों ने मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का बड़े पैमाने पर और सिस्टमैटिक तरीके से और बहुत बेरहम तरीके से उल्लंघन किया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,